सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" कभी ये ना सोचें कि मेरे बिना किसी का काम नहीं होगा ये वो संसार है जहां ताश का पत्ता गुम होने पर लोग जोकर को भी बादशाह बना लेते हैं...!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-208 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 17 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

भिलाई में संगीत की सुरमयी शाम में गूंजा जय हिंद, कर्मयोगियों को मिला 'जय हिंद सम्मान'

सांई म्यूजिकल ग्रुप का भव्य महोत्सव, सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु के पत्रकार सत्यम सिंह हुए सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सांई म्यूजिकल ग्रुप इंडिया, दुर्ग द्वारा आयोजित भव्य 'जय हिंद महोत्सव' संगीत, सम्मान और समाज सेवा की भावना का अनूठा संगम बन गया। कार्यक्रम में एक ओर प्रतिभाशाली गायकों की मधुर प्रस्तुतियों ने समां बांधा, तो दूसरी ओर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मयोगियों को 'जय हिंद सम्मान' से नवाजा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल रहे, जबकि अध्यक्षता दुर्ग नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने की। बड़ी संख्या में समाजसेवी, कलाकार, शिक्षाविद, पत्रकार और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

'जय हिंद महोत्सव' की विशेषता यह रही कि यह केवल सम्मान समारोह नहीं था। लगातार संगीत प्रस्तुतियों के बीच समाज के कर्मयोगियों को मंच पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया।

आयोजकों ने बताया कि समाज में ऐसे अनेक लोग हैं जो नौकरी, व्यवसाय और पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ समाज के लिए समय और श्रम देते हैं। कोई शिक्षा, चिकित्सा, खेल, पत्रकारिता या सेवा क्षेत्र में योगदान दे रहा है। ऐसे लोगों को सामने लाकर सम्मानित करना और दूसरों को प्रेरित करना ही इस महोत्सव का उद्देश्य है। कार्यक्रम की परिकल्पना सांई म्यूजिकल ग्रुप के डायरेक्टर हाजी मिर्जा साजिद ने की थी। उनके मित्र और कार्यक्रम के संयोजक कैलाश जैन बरमेचा ने इसे व्यापक स्वरूप दिया।

इसके अलावा श्रीमती रश्मि अग्रवाल, श्रीमती आकांक्षा मिश्रा, डॉ. भावना दिवाकर, योगेंद्र शर्मा बंटी, हरप्रीत सिंह, अश्वनी कुमार, प्रदीप पांडे, श्रीमती संगीता मिश्रा, कृष्णा साहू, धनराज निर्मलकर, श्रीमती हेमलता देशमुख, नारायण चंद्राकर, बृजमोहन खंडेलवाल, श्रीमती मृदुला रोजिंदर, डॉ. रजनी नेल्सन, डॉ. नीता शर्मा, सीए. संतोष जैन, गोपाल यादव, इस्माइल चौहान, पंडित विभा मिश्रा, श्रीमती प्रीति अजय बेहरा, डॉ. विनीता धुर्वे सहित अनेक कर्मयोगी सम्मानित हुए। जिन सम्मानितों की व्यक्तिगत उपस्थिति संभव नहीं थी, उनका सम्मान उनके परिजनों या प्रतिनिधियों को प्रदान किया गया।

अतिथियों ने की सराहना

विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. मुकुंद साव, श्रीमती रौशन मेहंदी भाई समनानी, डॉ. प्रज्ञा सिंह, अफताब खान, सरमद इमाम, श्रीमती सहाना कुरैशी, श्रीमती शबनम खान, श्रीमती रत्ना नारमदेव और गफ्फार खान उपस्थित थे। अतिथियों ने कहा कि सम्मान का उद्देश्य केवल पुरस्कार देना नहीं, बल्कि समाज को प्रेरणा देना है। यदि एक व्यक्ति भी किसी कर्मयोगी से प्रेरित होकर समाज सेवा के लिए आगे आता है तो आयोजन सार्थक है।

कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति और सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों से सराहना की। अंत में संयोजक कैलाश जैन बरमेचा ने सभी अतिथियों, कलाकारों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। 'जय हिंद महोत्सव' का संदेश यही रहा - 'संगीत की सुरमयी शाम, समाज के कर्मयोगियों के नाम।'

सत्यम सिंह सहित कई विभूतियां सम्मानित

समारोह में समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण, रक्षा सेवा, पत्रकारिता, खेल, चिकित्सा, योग, शिक्षा, साहित्य और दिव्यांग सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तित्वों को 'जय हिंद सम्मान' प्रदान किया गया। इस वर्ष उत्कृष्ट कार्यों और जानदार पत्रकारिता के लिए सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु और यूट्यूब चैनल के पत्रकार सत्यम सिंह को 'जय हिंद सम्मान' से सम्मानित किया गया। समाज में जागरूकता फैलाने और सच्चाई को निर्भीकता से सामने लाने में उनके योगदान को विशेष रूप से सराहा गया।

कलश यात्रा के दौरान चेन स्नैचिंग महिलाओं के गले से झपटी चेन

पुलिस ने 2-3 संदिग्ध महिलाओं को हिरासत में लिया, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इस्पात नगरी भिलाई में जयंती स्टेडियम में होने वाली शिव महापुराण कथा से पहले ही सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती मिल गई है। रविवार को निकाली गई भव्य कलश यात्रा के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर चोरों ने महिलाओं को निशाना बनाया। कलश यात्रा के दौरान 4 से 5 महिलाओं के साथ चेन स्नैचिंग की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे यात्रा में शामिल महिलाओं में भारी आक्रोश देखा गया।

बोल बम एवं कल्याण समिति द्वारा सेक्टर-6 स्थित जयंती स्टेडियम में 17 से 23 अगस्त तक अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा से पहले रविवार को सेक्टर-5 मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। रिमझिम बारिश के बीच निकली इस यात्रा में 11 हजार से अधिक महिलाएं शामिल हुई। यात्रा सेक्टर-5 मंदिर से शुरू होकर जयंती स्टेडियम स्थित कथा पंडाल में समाप्त हुई।

भीड़ में महिलाओं को बनाया निशाना

इसी भारी भीड़ का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाशों ने महिलाओं के गले से चेन झपट ली। घटना के बाद कलश यात्रा में शामिल महिलाओं में नाराजगी देखने को मिली। भीड़ के बीच महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

पुलिस का दावा - 700 जवान तैनात, 2-3 संदिग्ध हिरासत में

सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि शिव महापुराण कथा के दौरान सुरक्षा के लिए 20 राजपत्रित अधिकारियों समेत 700 से अधिक पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। कलश यात्रा के दौरान चेन स्नैचिंग के प्रयास की शिकायतें पुलिस को मिली हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। अब तक 2 से 3 संदिग्ध महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में आरोप सही पाए जाने पर आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में कलश यात्रा के दौरान हुई इन घटनाओं ने आयोजन से पहले ही पुलिस के सामने सुरक्षा की बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

भोरमदेव मंदिर में उमड़ी आस्था की भीड़ व्यवस्थाओं को लेकर जताई गई चिंता

तीसरे सोमवार और नागपंचमी पर उमड़े हजारों श्रद्धालु, भविष्य की तैयारियों पर सामूहिक चिंतन की जरूरत

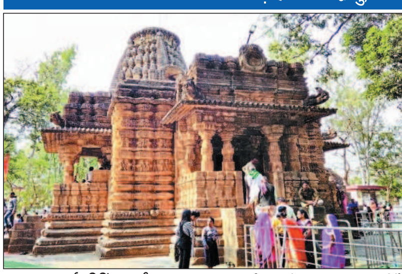

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

छत्तीसगढ़ के "खजुराहो" कहे जाने वाले भोरमदेव में सावन के तीसरे सोमवार और नागपंचमी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी। पूरे छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में कांवड़िए और दर्शनार्थी पवित्र जल लेकर भगवान भोरमदेव का जलाभिषेक करने पहुंचे। दृश्य ऐसा था मानो आस्था का महासंगम भोरमदेव की धरती पर उतर आया हो।

भोरमदेव की बढ़ती लोकप्रियता अब इसे झारखंड के देवघर धाम जैसे बड़े धार्मिक आस्था केंद्र के रूप में विकसित करने की संभावनाएं दिखा रही है। आने वाले समय में यहां श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है, ऐसे में अभी से भविष्य की व्यवस्थाओं को लेकर गंभीरता से सोचना जरूरी हो गया है।

व्यवस्थाएं नाकाफी, सुरक्षा पर सवाल

हालांकि श्रद्धालुओं की इतनी बड़ी संख्या के अनुरूप व्यवस्थाएं पर्याप्त नजर नहीं आ रही हैं। भीड़ प्रबंधन, यातायात, पार्किंग, सुरक्षा, पेयजल, स्वच्छता और दर्शन व्यवस्था में थोड़ी सी भी चूक किसी अप्रिय घटना का कारण बन सकती है। अभी सब कुछ भगवान भोलेनाथ की कृपा से व्यवस्थित चल रहा है, लेकिन इतनी बड़ी भीड़ में किसी भी अनहोनी की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सामूहिक पहल की मांग

यह किसी व्यक्ति या व्यवस्था की आलोचना का विषय नहीं, बल्कि सामूहिक जागरूकता और समय रहते तैयारी करने का विषय है। भोरमदेव केवल कबीरधाम की पहचान नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की गौरवशाली धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहर है।

इसकी ख्याति और श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और जिले के सक्षम नागरिकों को आगे आकर भोरमदेव के सुव्यवस्थित विकास, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए मुक्तहस्त से सहयोग करना चाहिए।

आज की भीड़ हमें आने वाले कल की तस्वीर दिखा रही है। जरूरत है कि हम किसी अप्रिय घटना की प्रतीक्षा न करें, बल्कि समय रहते भोरमदेव को उसकी बढ़ती ख्याति के अनुरूप सुविधाएं और व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के लिए सामूहिक पहल करें।

नशीली गोलियों के अवैध कारोबार पर कार्रवाई, नाबालिग सहित 6 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

भिलाई। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र के ग्राम डुण्डेरा में पुलिस ने नशीली टेबलेट की बिक्री कर रहे 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा कुल 71 पत्तों में 1065 नग प्रतिबंधित नशीली टेबलेट अल्प्राजोलम तथा बिक्री से संबंधित 3,500 नगद राशि जब्त की गई। जब्त टेबलेट का ड्रग इंस्पेक्टर से परीक्षण कराया गया, जिसमें टेबलेट प्रतिबंधित नशीली दवा होना प्रमाणित होने पर NDPS Act के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। आरोपियों के कब्जे से 1065 नग प्रतिबंधित नशीली टेबलेट एवं 3500 नगद जब्त किया गया।

एक दिन पहले उतई पुलिस को विश्वसनीय सूत्र से सूचना प्राप्त हुई कि गायत्री नगर, ग्राम डुण्डेरा में केवेन्द्र पटेल अपने अन्य साथियों के साथ अवैध लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से नशीली टेबलेट रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना की तस्दीक एवं वैधानिक कार्रवाई हेतु थाना उतई एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर संदेहियों को घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पूछताछ एवं तलाशी के दौरान केवेन्द्र पटेल उर्फ छोटा एवं एक अपचारी बालक के कब्जे से नशीली टेबलेट बरामद हुई। नशीली टेबलेट के संबंध में पूछताछ करने पर उनके द्वारा उक्त टेबलेट मरोदा निवासी इब्राहिम अली खान, घनश्याम गुप्ता, देवेन्द्र निर्मलकर एवं जीतू नायक से खरीदकर बिक्री के लिए लाना बताया गया। इसके बाद पुलिस टीम द्वारा संबंधित आरोपियों की तलाश कर उन्हें हिरासत में लिया गया।

पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से कुल 71 पत्तों में 1065 नग प्रतिबंधित नशीली टेबलेट अल्प्राजोलम तथा 3500 नगद जब्त किया गया। जप्त टेबलेट का ड्रग इंस्पेक्टर से परीक्षण कराया गया, जिसमें उक्त टेबलेट प्रतिबंधित नशीली दवा होना लेख किया गया। प्रकरण में NDPS Act की धारा 22 के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। अल्प्राजोलम NDPS Act के अंतर्गत मनोप्रभावी पदार्थ है और इसकी मात्रा के अनुसार धारा 22 के दंडात्मक प्रावधान लागू होते हैं।

प्रकरण में केवेन्द्र पटेल उर्फ छोटा, जीतू नायक उर्फ पोटरा, इब्राहिम अली खान, देवेन्द्र निर्मलकर एवं घनश्याम गुप्ता को गिरफ्तार किया गया तथा अपचारी बालक को विधि अनुसार अभिरक्षा में लिया गया। सभी के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। उक्त कार्रवाई में थाना उतई पुलिस एवं एसीसीयू स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रशांत किशोर के 10,000 नौकरियों के दांव से बिहार में सियासत गर्म

सम्राट चौधरी और तेजस्वी पर बढ़ा दबाव, MLC चुनाव को लेकर भी बनी रणनीति

विशेष संवाददाता संदीप सिंह / पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव जीतने के बाद जन सुराज पार्टी के संस्थापक और नवनिर्वाचित विधायक प्रशांत किशोर ने बिहार की राजनीति में नया मोर्चा खोल दिया है। पीके ने बांकीपुर के 10,000 शिक्षित बेरोजगार युवाओं को अपने नेटवर्क के जरिए निजी क्षेत्र में रोजगार दिलाने का बड़ा ऐलान कर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दोनों पर दबाव बढ़ा दिया है।

10,000 नौकरियों का ऐलान, मांगा बायोडाटा

बांकीपुर की जनता को धन्यवाद देते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि उनका कार्यालय 24 घंटे जनता के काम के लिए खुला है। उन्होंने अपील की कि जिन परिवारों के पढ़े-लिखे बच्चे बेरोजगार हैं वे अपना CV उनके कार्यालय में जमा करें। पीके ने कहा कि वे अपना देशव्यापी नेटवर्क का उपयोग कर कम से कम 10,000 युवाओं को रोजगार देंगे। यह व्यवस्था फिलहाल निजी क्षेत्रों के लिए है। सरकार बनने पर राज्य के भीतर बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने की बात भी उन्होंने कही।

सम्राट चौधरी पर दबाव, बीजेपी सक्रिय

प्रशांत किशोर के इस दांव का सीधा असर एनडीए सरकार पर दिख रहा है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी BPSC चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र बांटने, बीएड कॉलेजों के अपग्रेडेशन और स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना को 5 साल बढ़ाने जैसे फैसलों पर जोर दे रहे हैं। बांकीपुर में मिली हार और पीके के हमलों के बाद सम्राट चौधरी ने बीजेपी कोटे के मंत्रियों की बैठक ली और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर आगे की रणनीति पर चर्चा की।

भरत तिवारी एनकाउंटर पर भी घेरा

भोजपुर के भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सरकार द्वारा परिवार को मुआवजा और नौकरी दिए जाने पर भी पीके ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि "किसी बच्चे की जान की कीमत सिर्फ एक सरकारी नौकरी या कुछ लाख रुपये नहीं हो सकती।" पीके ने मांग की कि मुआवजे के साथ गृह विभाग और STF के उन अधिकारियों पर आपराधिक मामला दर्ज हो जिन्होंने गोली चलाने का आदेश दिया। उन्होंने एनकाउंटर में मारे गए अन्य युवाओं के परिवारों को भी समान मुआवजा और नौकरी देने की मांग की।

RJD ने बढ़ाई सक्रियता, 19 को राजभवन मार्च

प्रशांत किशोर की सक्रियता से RJD की चिंताएं भी बढ़ी हैं। तेजस्वी यादव ने दिल्ली में पार्टी सांसदों के साथ बैठक की। RJD ने ऐलान किया है कि पार्टी के सभी विधायक, विधान पार्षद और कार्यकर्ता 19 तारीख को पार्टी दफ्तर से राजभवन तक पैदल मार्च करेंगे।

अब MLC चुनाव पर नजर

विधानसभा जीत के बाद प्रशांत किशोर अब विधान परिषद की 8 सीटों पर होने वाले चुनाव में बड़ा उलटफेर करने की तैयारी में हैं। जन सुराज के दो सदस्य पहले से MLC हैं। ऐसे में पीके का फोकस अब MLC चुनाव के जरिए सम्राट चौधरी और तेजस्वी यादव दोनों को चुनौती देने पर है।

प्रशांत किशोर का 10,000 नौकरियों का ऐलान बिहार की राजनीति में बेरोजगारी के मुद्दे को केंद्र में लाने का स्पष्ट संकेत है। बांकीपुर जैसी शहरी सीट जीतने के बाद पीके ने सरकारी वादों के मुकाबले सीधे रोजगार देने का मॉडल पेश किया है। इससे 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए और महागठबंधन दोनों पर दबाव बढ़ेगा कि वे अपने रोजगार के आंकड़े और रोडमैप जनता के सामने रखें। पीके का यह दांव न सिर्फ युवाओं को लुभाने की कोशिश है, बल्कि जन सुराज को एक वैकल्पिक ताकत के रूप में स्थापित करने की रणनीति भी है। अगर निजी नेटवर्क के जरिए वादा किया गया रोजगार धरातल पर दिखा तो बिहार में सियासी समीकरण और चुनावी नैरेटिव दोनों बदल सकते हैं।

सियान महोत्सव का आगाज, संगीत-नृत्य और बैडमिंटन प्रतियोगिता के फाइनलिस्ट घोषित

प्रतियोगिताओं का फाइनल 22 अगस्त को स्वामी विवेकानंद भवन, स्मृति नगर में, सियान महोत्सव में वरिष्ठ नागरिकों के उत्साह और प्रतिभा को देखकर पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को शांति नगर स्थित सियान में भव्य "सियान महोत्सव" का आगाज हुआ। वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित इस महोत्सव में संगीत, नृत्य, वादन और बैडमिंटन प्रतियोगिताओं के फाइनलिस्टों का चयन किया गया। आयोजन समिति के ललित मोहन ने बताया कि प्रतियोगिता के निर्णायक आरव मालिया, चिंटू, ऋषि घोष एवं डॉ. सविता थे।

संगीत प्रतियोगिता - फाइनलिस्ट

जूनियर सियान -

50 से 60 वर्षः अलका, तेज प्रताप, तस्लीम खान, वैशाली, कल्पना सोनी एवं सीता यादव रहीं।

सीनियर सियान -

61 से 70 वर्षः कमल कुमार अग्रवाल, चितरंजन दास, दीप्ति दास, प्रेमचंद, सुधा वार्ष्णेय, हेमंत कुमार चौहान, विजय कुमार, संतोष शुक्ला, कांत पटेल, जोसेफ, आभा गुप्ता, सुधीर वैश्य, मंदा वसंकार, सुरेश कुमार, सुनील सोनी

सुपर सीनियर सियान - 80 वर्ष से अधिकः भारत लाल मोगरे, अंजुला भार्गव, दीपक ताहिर, शरद चंद्रगुप्त, एम. जैन, कब गोसाई, प्रदीप गुप्ता, माधुरी अग्रवाल रहीं।

इंस्ट्रूमेंट वादनः

दीपक ताहिल रामानी, भारत लाल मोगरे एवं सुरेश कुमार रहे।

नृत्य प्रतियोगिता -

फाइनलिस्ट डॉ. पूर्णिमा लाल, माया बुलबुले, कमल चक्रवर्ती, हम, शोभा बाजपेई का चयन फाइनल के लिए हुआ। सभी प्रतियोगिताओं का फाइनल 22 अगस्त को शाम 4:00 बजे स्वामी विवेकानंद भवन, स्मृति नगर में आयोजित किया जाएगा।

बैडमिंटन प्रतियोगिता परिणाम

बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन अरोड़ा कंपलेक्स, वैशाली नगर में किया गया।

पुरुष 60 से 70 वर्ष प्रथम - सुनील कुमार सोनी, द्वितीय - विजय गोयल, तृतीय - यतींद्र और **पुरुष 70 वर्ष से अधिकः** प्रथम - सुभाष चंद्र टुटेजा, द्वितीय - प्रदीप कुमार सूद, तृतीय - रामनिवास अग्रवाल रहे। वहीं महिला 50 से 60 वर्षः प्रथम - वैशाली, द्वितीय - कल्पना सोनी, तृतीय - तृप्ति अग्रवाल और महिला 60 वर्ष से ऊपरः प्रथम - अनुज भार्गव, द्वितीय - सुधा वार्ष्णेय रहीं। सियान महोत्सव में वरिष्ठ नागरिकों के उत्साह और प्रतिभा को देखकर पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा।

खास खबर

मजदूर कार्ड पंजीयन एवं नवीनीकरण की समस्या को लेकर कांग्रेस और इंटक ने मिलकर श्रम विभाग को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ई-केवाईसी प्रक्रिया में तकनीकी दिक्कतों के कारण श्रमिकों के आवेदन हो रहे हैं लंबित

मजदूर कार्ड के पंजीयन एवं नवीनीकरण में आ रही तकनीकी समस्याओं, ई-केवाईसी की दिक्कतों तथा श्रमिकों से कथित रूप से अतिरिक्त राशि वसूले जाने की शिकायतों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर एवं जिला इंटक के प्रतिनिधिमंडल ने श्रम कार्यालय पहुंचकर सहायक श्रम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बड़ी संख्या में श्रमिकों के मजदूर कार्ड का नया पंजीयन एवं नवीनीकरण नहीं हो पा रहा है। ई-केवाईसी प्रक्रिया में तकनीकी दिक्कतों के कारण श्रमिकों के आवेदन लंबित हैं और पात्र श्रमिक शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं। इस दौरान श्रमिकों ने यह शिकायत भी रखी कि कुछ चॉइस सेंटरों के माध्यम से मजदूर कार्ड के पंजीयन एवं नवीनीकरण के नाम पर 1,500 से 2,000 तक राशि वसूले जाने की मांग की जा रही है। कांग्रेस एवं इंटक ने इन शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि श्रमिक हमारे समाज की महत्वपूर्ण ताकत हैं। शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए बनाए गए मजदूर कार्ड के पंजीयन और नवीनीकरण में यदि तकनीकी समस्याओं के कारण गरीब श्रमिक परेशान हो रहे हैं, तो यह गंभीर विषय है। श्रमिकों को अपने अधिकार के लिए बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ें और उनसे कार्ड बनवाने या नवीनीकरण के नाम पर अतिरिक्त राशि मांगी जाए, इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि श्रम विभाग को पोर्टल और ई-केवाईसी की तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान करना चाहिए तथा श्रमिकों से राशि वसूली की शिकायतों की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करनी चाहिए। पात्र श्रमिकों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिले, यह सुनिश्चित करना विभाग की जिम्मेदारी है। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर श्रमिकों के साथ खड़ी है और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए हर स्तर पर आवाज उठाएगी। ज्ञापन में मजदूर कार्ड के पंजीयन एवं नवीनीकरण की प्रक्रिया तत्काल सुचारु करने, ई-केवाईसी की तकनीकी समस्याओं का स्थायी समाधान करने, लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने तथा श्रमिकों से अतिरिक्त राशि वसूले जाने की शिकायतों की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की गई।

कांग्रेस एवं इंटक नेताओं ने कहा कि श्रमिकों के अधिकारों एवं हितों से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पात्र श्रमिकों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसके लिए जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर एवं जिला इंटक लगातार संघर्ष करती रहेगी। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल दुर्ग इंटक के अध्यक्ष प्रकाश शिवणकर,मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष अलताफ अहमद,नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आनंद कपूर ताम्रकार,गुरदीप भाटिया,पूर्व पार्षद बृजेन्द्र भारद्वाज,जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री गौरव उमरे,सचिव मुकेश साहू,दीपक जैन,सुमित घोष,चंद्रमोहन गभने,भूपेंद्र सेन,चिराग शर्मा,अंश चतुर्वेदी,मोहित वाल्डे,डॉ केशव सिन्हा उपस्थित थे।

ऑनलाइन ट्रेडिंग : निवेश के नाम पर सेवानिवृत्त बीएसपी कर्मी से लाखों की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से बैंक की चेकबुक, आधार कार्ड व घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन किया जब्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बीएसपी के रिटायर्ड कर्मचारी को ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर ठगने वाले आरोपी को दुर्ग पुलिस ने बैतूल मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया है। शातिर ने बीएसपी कर्मी से 45.18 लाख रुपए निवेश के नाम पर ठग लिए। इस मामले में शिकायत होने के बाद पुलिस एक्शन में आई और आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पंजीयन शुल्क, ट्रेडिंग निवेश, मार्जिन राशि, क्रॉस बॉर्डर ट्रांजेक्शन एवं टैक्स के नाम पर लगातार राशि जमा कराई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बैंक की चेकबुक, आधार कार्ड एवं घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त कर पूछताछ शुरू की है। मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है।

दरअसल इस मामले में सेवानिवृत्त बीएसपी कर्मचारी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 10 मार्च 2026 को फेसबुक पर ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं निवेश संबंधी विज्ञापन देखा गया। विज्ञापन के माध्यम से संपर्क करने वाले व्यक्तियों द्वारा स्वयं को निवेश एवं ऑनलाइन ट्रेडिंग से संबंधित संस्था का प्रतिनिधि बताकर अधिक लाभ का लालच दिया गया। आरोपियों द्वारा प्रार्थी से पंजीयन शुल्क, ट्रेडिंग निवेश एवं मार्जिन राशि सहित अन्य शुल्क के नाम पर विभिन्न तिथियों में अलग-अलग बैंक खातों में ऑनलाइन राशि जमा कराई गई। प्रार्थी द्वारा कुल 45,18,998 जमा किए जाने के बाद जब राशि वापस मांगी गई, तो आरोपियों द्वारा क्रॉस बॉर्डर ट्रांजेक्शन, टैक्स एवं अन्य शुल्क के नाम पर अतिरिक्त राशि की मांग की गई। इस पर प्रार्थी को साइबर ठगी का संदेह हुआ।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना भिलाई नगर में धारा 318(4) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। प्रकरण में तकनीकी साक्ष्यों, बैंकिंग ट्रांजेक्शन एवं उपलब्ध डिजिटल

जानकारी का विश्लेषण करते हुए पुलिस टीम द्वारा आरोपी की पहचान की गई तथा उसकी तलाश कर मध्यप्रदेश के बैतूल जिले से आरोपी विशाल नागले को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को विधिवत न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। प्रकरण में अन्य आरोपियों की संलिप्तता एवं ठगी की राशि के संबंध में विवेचना जारी है।

आरोपियों द्वारा सोशल मीडिया पर ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं निवेश में अधिक लाभ का लालच देने वाले विज्ञापन के माध्यम से संपर्क कर स्वयं को संबंधित संस्था का प्रतिनिधि बताया गया। इसके बाद प्रार्थी को विभिन्न शुल्क एवं निवेश के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में राशि जमा करने के लिए प्रेरित किया गया। राशि वापस मांगने पर अतिरिक्त शुल्क एवं टैक्स के नाम पर पुनः राशि की मांग की गई। उक्त प्रकरण में थाना भिलाई नगर पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों, बैंकिंग ट्रांजेक्शन एवं डिजिटल जानकारी का विश्लेषण कर आरोपी की पहचान एवं गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई। कार्रवाई में थाना भिलाई नगर में पदस्थ पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि ऑनलाइन ट्रेडिंग, शेयर बाजार एवं निवेश में अधिक लाभ का लालच देने वाले सोशल मीडिया विज्ञापनों, व्हाट्सऐप संदेशों अथवा अनजान व्यक्तियों के झांसे में आकर राशि जमा न करें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं, संबंधित बैंक को सूचित करें तथा नजदीकी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराएं। साइबर अपराध की सूचना में देरी न करें, क्योंकि समय पर सूचना मिलने से राशि को सुरक्षित कराने एवं अपराध की जांच में सहायता मिलती है।

स्टंटबाजी पड़ी भारी, दो बाइक जब्त वसूले 12 हजार रुपये का चालान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेंट्रल एवेन्यू मार्ग पर तेज रफ्तार और स्टंटबाजी कर बाइक चलाना दो युवकों को भारी पड़ गया। आम नागरिक की शिकायत पर यातायात पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों मोटरसाइकिलों को जब्त कर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की। दोनों चालकों पर कुल 12 हजार रुपये का चालान किया गया।

पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देश पर यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा लापरवाहीपूर्वक, तेज रफ्तार और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सेंट्रल एवेन्यू मार्ग पर दो युवकों द्वारा मोटरसाइकिल से स्टंट करने और तेज गति से वाहन चलाने की शिकायत यातायात पुलिस को मिली थी।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सिविक सेंटर यातायात जोन प्रभारी ने उउळश तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों मोटरसाइकिलों की पहचान कर उन्हें जब्त किया। जांच के दौरान दोनों चालक बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाते पाए गए। यातायात पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए दोनों के विरुद्ध कुल 12 हजार रुपये का चालान किया।

मामले में दोनों युवकों के पालकों को बुलाकर कड़ी समझाइश दी गई। उन्हें हिदायत दी गई कि वे अपने बच्चों को बिना लाइसेंस वाहन न दें और सड़क पर तेज रफ्तार, स्टंटबाजी जैसी खतरनाक गतिविधियों से दूर रखें। वहीं, बिना लाइसेंस वाहन चलाने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला परिवहन अधिकारी को पत्र भी प्रेषित किया गया है।

यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि सड़क पर स्टंटबाजी और तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों की सूचना तत्काल पुलिस को दें। इसके लिए यातायात हेल्पलाइन नंबर 9479192029 पर जानकारी दी जा सकती है। पुलिस ने कहा कि सड़क स्टंट का मैदान नहीं है। तेज रफ्तार और स्टंटबाजी से वाहन चालक स्वयं के साथ-साथ अन्य राहगीरों और वाहन चालकों की जान भी खतरे में डालते हैं। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

पीपी यार्ड में रेलवे अफसर पर रिश्वत का आरोप, सीबीआई ने की छापामार कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर अंतर्गत रायपुर रेल मंडल के भिलाई स्थित पीपी यार्ड में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार देर शाम एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। सीबीआई की टीम ने भ्रष्टाचार के मामले में यहां पदस्थ सीनियर डिविजनल मैकेनिकल इंजीनियर अनमोल उइके के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद कार्यालय में अचानक दबिश दी। सीबीआई ने अनमोल उइके को नजरबंद रखते हुए कार्यालयीन कक्ष में दस्तावेज और डिजीटल साक्ष्य खंगालना शुरू किया।

सूत्रों के अनुसार, रेलवे ठेकेदार दीपक वर्मा ने सीनियर डीएमई अनमोल उइके पर ठेके पर नए काम देने और पुराने काम के बकाया बिलों के भुगतान को मंजूरी देने के एवज में मोटी रकम रिश्वत के रूप में मांगने

का आरोप लगाया था। परेशान ठेकेदार ने इसकी सीधी शिकायत सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा से की। शिकायत के आधार पर सीबीआई ने प्राथमिक सत्यापन कराया और मामला सही पाए जाने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए भिलाई में स्थित पीपी यार्ड कार्यालय में गुरुवार को शाम 5 बजे छापा मारा।

जानकारी के अनुसार कार्रवाई के लिए

10 अधिकारियों की टीम यहां पहुंची। सीबीआई के अधिकारी जिन वाहनों में पहुंचे हैं वे दिल्ली के अलावा रायपुर व दुर्ग पासिंग हैं। सीबीआई की टीम ने देर शाम से ही सीनियर डीएमई अनमोल उइके को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। कार्रवाई के दौरान उनके कार्यालय कक्ष को कवर में लेकर संबंधित फाइलें, बिल रिकॉर्ड, टेंडर से जुड़े दस्तावेज और वित्तीय लेन-देन के रजिस्टर खंगाले जा रहे हैं। कार्यालय में पदस्थ अन्य अधिकारियों के डिजिटल साक्ष्यों और मोबाइल रिकॉड्र्स की भी तकनीकी जांच की जा रही है।

बता दें रेलवे के पीपी यार्ड में मालगाड़ियों के रैक की अनलोडिंग के बाद नियमित जांच की जाती है। वैगन में तकनीकी खराबी और टूट फूट की यहां रिपेयरिंग की जाती है। यह सारा काम ठेके पर चलता है। बताते हैं दीपक वर्मा नाम का शख्स पीपी यार्ड में ठेके पर काम लेता है। कथित तौर पर दीपक वर्मा ने ही सीबीआई में सीनियर डीएमई अनमोल उइके के खिलाफ रिश्वत मांगने की शिकायत की थी। शिकायत सही पाए जाने पर सीबीआई की टीम ने केमिकल युक्त नोटों से भरे लिफाफे के साथ दीपक वर्मा को अनमोल उइके के पास भेजा। लिफाफे हाथ में लेते ही सीबीआई की टीम ने अनमोल उइके के कार्यालय में दबिश दी और हाथ धुलवाए तो केमिकल रंग छोड़ने लगा।

शिव महापुराण कथा में उमड़ी भीड़, दुर्ग पुलिस ने संभाला मोर्चा, पार्किंग, सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था की कमान

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने किया स्थल निरीक्षण, दिए कई आवश्यक निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शिव महापुराण कथा के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए दुर्ग पुलिस द्वारा आयोजन से पूर्व सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई है। कार्यक्रम स्थल, प्रवेश एवं निकास मार्ग, श्रद्धालुओं की आवाजाही, पार्किंग स्थल, वीआईपी प्रवेश, यातायात दबाव वाले मार्गों तथा संभावित भीड़ वाले स्थानों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। तैयारियों की समीक्षा के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला कलेक्टर के साथ जयंती स्टेडियम स्थित कार्यक्रम स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आयोजन समिति द्वारा की जा रही तैयारियों की जानकारी ली गई तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा, प्रवेश-निकास, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग, यातायात एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

इसी क्रम में पुलिस महानिरीक्षक द्वारा भी

कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था की समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों एवं आयोजन समिति को आयोजन प्रारंभ होने से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए। आयोजन की तैयारियों के संबंध में पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस प्रशासन, यातायात पुलिस, आयोजन समिति, नगर निगम एवं अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभावित भीड़, श्रद्धालुओं की आवाजाही, यातायात दबाव, पार्किंग, प्रवेश एवं निकास, सुरक्षा व्यवस्था तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

सभी संबंधित विभागों एवं आयोजन समिति के दायित्व स्पष्ट रूप से निर्धारित किए गए हैं, ताकि आयोजन के दौरान प्रत्येक व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी अपने निर्धारित दायित्वों का समयबद्ध रूप से निर्वहन कर सकें। पुलिस एवं संबंधित विभागों के मध्य निरंतर समन्वय बनाए रखने की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था लाखों श्रद्धालुओं की संभावित उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में कुल 632 पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रवेश एवं निकास मार्गों पर भीड़ को व्यवस्थित करने, श्रद्धालुओं की आवाजाही नियंत्रित रखने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस बल को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया जाएगा।

कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। भीड़ के अत्यधिक एकत्र होने वाले स्थानों, प्रवेश-निकास मार्गों एवं प्रमुख गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी, ताकि किसी भी संभावित स्थिति का समय रहते आकलन कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ बच्चों, बुजुर्गों एवं महिला श्रद्धालुओं की सुविधा को भी ध्यान में रखते हुए पुलिस एवं आयोजन से जुड़े कर्मियों के मध्य समन्वय रखा जाएगा।

यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था कार्यक्रम के दौरान शहर एवं कार्यक्रम स्थल के आसपास यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए यातायात पुलिस द्वारा पूर्व से मार्ग एवं पार्किंग व्यवस्था निर्धारित की गई है। श्रद्धालुओं से अपील है कि वे अपने वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़ा करें तथा कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने के लिए निर्धारित मार्गों का उपयोग करें। निर्धारित पार्किंग स्थल 1. भिलाई निवास के सामने हेलिपैड 2. फुटबॉल ग्राउंड, भिलाई निवास के बगल 3. प्रगति मैदान के पीछे (५स्र) 4. बैंक परिसर (५स्र) 5. सेक्टर-06 पुलिस ग्राउंड 6. कला मंदिर के सामने 7. शहीद उद्यान के सामने 8. हरिराज सिविक सेंटर के बगल में 9. पैसिफिक मॉन्यूमेंट गार्डन के सामने विभिन्न दिशाओं से आने वाले वाहनों के लिए निर्धारित मार्ग एवं पार्किंग 1. रायपुर, चरौदा, भिलाई-03, नंदिनी एवं पावर हाउस की ओर से आने वाले वाहनः कुहराली ? सिरसा गेट ? पावर हाउस/चंद्रा-मौर्या ? 25 मिलियन टन चौक ? सेक्टर-06 पुलिस पेट्रोल पंप के पीछे पार्किंग ? वहां से पैदल जयंती स्टेडियम। 2. कुम्हारी, खेमटा, धमधा, जेवरा सिरसा एवं नेहरू नगर की ओर से आने वाले वाहनः ग्रीन चौक ? राजेंद्र पार्क चौक ? सेक्टर-09 चौक ? सेक्टर-06 ग्राउंड पार्किंग ? वहां से पैदल जयंती स्टेडियम। 3. राजनांदगांव एवं बालोद की ओर से आने वाले वाहनः पुलगांव चौक ? जेल तिराहा ? भिलाई निवास के सामने हेलिपैड ग्राउंड पार्किंग ? वहां से पैदल कार्यक्रम स्थल। 4. धमतरी, अभनपुर एवं पाटन की ओर से आने वाले वाहनः उतई नेवई ? भिलाई निवास के बाजू फुटबॉल ग्राउंड पार्किंग ? वहां से पैदल कार्यक्रम स्थल।

विद्यार्थियों ने देखी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और 'वंदे मातरम' पर आधारित छायाचित्र

स्वतंत्रता संग्राम की गौरवगाथा से विकसित छत्तीसगढ़ की नई तस्वीर तक को एक मंच पर समेट रही प्रदर्शनी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी नागरिकों और विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के योगदान, अमर सेनानियों के शौर्य एवं बलिदान, राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा तथा राज्य की सुशासन और विकास यात्रा को प्रदर्शनी में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

इसी क्रम में बी.पी. पुजारी गवर्नमेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल, राजातालाब रायपुर के विद्यार्थियों ने शिक्षिकाओं के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया। विद्यार्थी मानवी साहू, पलक साहू, योगिता विश्वकर्मा, आनंदित बोस और युगती सोनकर शिक्षिका अनवरी जावेद शेख एवं सुनील महर के साथ प्रदर्शनी देखने पहुंचे। विद्यार्थियों ने विभिन्न छायाचित्रों, ऐतिहासिक दस्तावेजों और प्रदर्शित सामग्री को उत्सुकता के साथ देखा तथा स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों की जानकारी प्राप्त की।

प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की 150 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पर केंद्रित खंड है। इसमें वंदे मातरम् की रचना से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रजागरण के प्रेरणादायी स्वर के रूप में इसकी भूमिका को ऐतिहासिक संदर्भों और छायाचित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। प्रदर्शनी के माध्यम से नई पीढ़ी को यह समझने का अवसर मिल रहा है कि स्वतंत्रता केवल संघर्ष और बलिदान का परिणाम नहीं, बल्कि देशवासियों की एकजुटता, राष्ट्रप्रेम और दृढ़ संकल्प की भी गौरवगाथा है।

प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, जननायकों और अमर बलिदानियों के योगदान से जुड़े दुर्लभ छायाचित्र, दस्तावेज और ऐतिहासिक प्रसंग प्रदर्शित किए गए हैं। महात्मा गांधी के छत्तीसगढ़ प्रवास तथा प्रदेश में हुए सामाजिक और राष्ट्रीय आंदोलनों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंग भी प्रदर्शनी का हिस्सा हैं। विभागीय अधिकारियों ने विद्यार्थियों को छायाचित्रों और ऐतिहासिक घटनाओं की जानकारी देते हुए स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण से अवगत कराया। इतिहास

प्रदर्शनी में राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं और आम नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। महिलाओं, किसानों, युवाओं, श्रमिकों और जरूरतमंद परिवारों के लिए संचालित योजनाओं के माध्यम से विकास और सशक्तिकरण की तस्वीर प्रस्तुत की गई है। महतारी वंदन योजना, कृषक उन्नति योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी पहलों की जानकारी भी प्रदर्शनी में दी गई है। विद्यार्थियों ने इन योजनाओं के बारे में भी विशेष रुचि दिखाई।

प्रदर्शनी में डिजिटल पंजीयन, सुशासन तिहार, हरित छत्तीसगढ़, शिक्षा एवं अधोसंरचना विस्तार सहित राज्य की विकास यात्रा को भी छायाचित्रों और सूचनात्मक सामग्री के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। बेहतर सड़क एवं रेल संपर्क, औद्योगिक अधोसंरचना, निवेश और रोजगार के नए अवसरों की झलक भी यहां देखने को मिल रही है। इतिहास

प्रदर्शनी में आधुनिक तकनीक और छत्तीसगढ़ की विरासत का अनूठा संगम भी देखने को मिल रहा है। एआई आधारित विशेष पहल के माध्यम से आगंतुक प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की पृष्ठभूमि के साथ अपनी डिजिटल तस्वीर तैयार करा सकते हैं। बच्चों और युवाओं में इस पहल को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इसके अलावा राज्य की विकास यात्रा, उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन भी किया जा रहा है।

कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में आयोजित यह सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी 15 से 21 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से रात 8 बजे तक आम नागरिकों के अवलोकन के लिए खुली रहेगी। विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी को ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी और छत्तीसगढ़ के गौरवशाली इतिहास एवं वर्तमान विकास से परिचित कराने वाला अनुभव बताया।

खास खबर

आर्टकॉम, रिटायर्ड फौजी और एनएचएआई ने मिलकर किया 15 पीपल के पौधों का रोपण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

'हर आँगन एक पेड़' अभियान के तहत वृक्षारोपण, रिटायर्ड फौजियों को भेंट की गई "शब्द संग्राम" पुस्तक

छत्तीसगढ़ की कला एवं प्रकृति के प्रति समर्पित संस्था आर्टकॉम ने रविवार को 'हर आँगन एक पेड़' अभियान के तहत 15 देवतुल्य पीपल के पौधों का रोपण किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम हैरिटेज इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक बृजमोहन उपाध्याय के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस पुनीत कार्य में सेवा निवृत्त फौजियों और NHAI की टीम ने संयुक्त रूप से भागीदारी की। आर्टकॉम ने हमेशा की तरह पौधरोपण कर इन पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी NHAI की टीम को सौंपी।

पीपल को कहा गया मातृ वृक्ष

संस्था संचालक निशु पाण्डेय ने बताया कि पीपल के वृक्ष को मातृ वृक्ष माना गया है। पुराने समय में हर चौक-चौराहे पर यह वृक्ष लगाए जाते थे। इसका सबसे बड़ा कारण था हाट-बाजार, जहां भीड़ जुटती थी और वह गांव आर्थिक रूप से समृद्ध होता था। आज भी जहां-जहां पीपल का वृक्ष लगा है, वह क्षेत्र आर्थिक रूप से संपन्न दिखाई देता है। अर्थात पीपल के वृक्ष में लोगों को एकजुट करने की शक्ति होती है।

रिटायर्ड फौजियों को भेंट की पुस्तक

वृक्षारोपण के पश्चात हैरिटेज इंटरनेशनल स्कूल द्वारा संस्था संचालक निशु पाण्डेय द्वारा लिखी पुस्तक "शब्द संग्राम" देश के रिटायर्ड फौजियों को भेंट की गई। कार्यक्रम में पवन निषाद अध्यक्ष पूर्व सैनिक सेवा परिषद छत्तीसगढ़, जय राम शर्मा, लखन लाल साहू, विशाल कुमार, रवि कांत यादव, सत्यनारायण, तारकेश्वर सिंह, एस बी सिंह, रमेश सिंह उपस्थित रहे। NHAI की टीम से सतीश कुमार, रघुवरन, अमित कुमार शामिल हुए। आर्टकॉम से करमजीत सिंह, शारदा गुप्ता, गुरनाम सिंह, बंट्टी नाहर, रविन्द्र देवांगन, रजनीकांत अग्रवाल, मदन सेन, सी पी सिंह, श्रीनिवास मिश्रा, शिव शंकर मिश्रा, भास्कर तिवारी, डाकेश्वर परघनिया, सुभाष शर्मा, श्रीराम और संस्था संचालक निशु पाण्डेय उपस्थित थे।

मिलावटखोरों की खैर नहीं, खाद्य विभाग अलर्ट, आज से 23 अगस्त तक चलेगा अभियान

रायपुर। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए 'बने खाओ-बने रहिबो 2.0' अभियान शुरू किया जा रहा है। यह सात दिवसीय सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन-जागरूकता अभियान 17 अगस्त से 23 अगस्त 2026 तक संचालित होगा। अभियान के अंतर्गत खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीमें जिलेभर में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करेंगी। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट, मिथ्याछाप, भ्रामक प्रस्तुतीकरण, असुरक्षित खाद्य पदार्थों तथा प्रतिबंधित एलानों/उत्पादों के उपयोग, निर्माण, वितरण एवं विक्रय के संबंध में जांच की जाएगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभियान का उद्देश्य खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं असुरक्षित खाद्य सामग्री की रोकथाम के साथ-साथ आम नागरिकों को सुरक्षित खाद्य एवं पौष्टिक आहार के संबंध में जागरूक करना है। विभाग द्वारा नागरिकों से भी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा को लेकर सजग रहने की अपील की गई है।

हीलर हर्बल गार्डन योजना से वैद्यों को मिलेगा नया संबल

बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम ने किया योजना का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की पारंपरिक स्वास्थ्य परंपरा और वनौषधियों के संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विगत 13 अगस्त को छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा कोण्डागांव में जिला स्तरीय वैद्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। दक्षिण कोण्डागांव वनमंडल के काष्ठागार में आयोजित सम्मेलन में बोर्ड अध्यक्ष श्री विकास मरकाम ने हीलर हर्बल गार्डन योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर 48 वैद्यों को अपने घर की बाड़ी में औषधीय पौधों का उद्यान विकसित करने के लिए प्रथम किस्त का स्वीकृति पत्र वितरित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। वैद्य रामप्रसाद निषाद, सुखमन मरकाम, हीरालाल मरकाम, जेठूराम प्रधान, चिला पोथाम, जयनाथ मरकाम, विशाल सोरी, सकालु राम कोर्राम, मोहन नेताम और नथाराम नाग ने पारंपरिक जड़ी-बूटियों और उनके उपचार में उपयोग से संबंधित अपना अनुभव साझा किया। वैद्यों ने पहचान पत्र जारी करने तथा वनौषधियों के संरक्षण में वैद्यों की भूमिका बढ़ाने का आग्रह किया।

बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जेएसीएस राव ने बताया कि हीलर हर्बल गार्डन योजना के तहत वैद्य अपनी बाड़ी में सामान्य रूप से उपयोग होने वाली वनौषधियों का छोटा उद्यान तैयार कर सकेंगे। इसके लिए बोर्ड की ओर से आर्थिक और तकनीकी सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि वैद्यों के समूहों को जड़ी-बूटियों की बेहतर प्रसंस्करण के लिए निःशुल्क पिसाई मशीन (पल्वराइजर) उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि वैद्यों के निवास वाले गांवों के स्कूलों में स्कूल हर्बल गार्डन विकसित करने के लिए भी बोर्ड तकनीकी और आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है। साथ ही प्रदेश के वैद्यों के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। वैद्यों द्वारा तैयार औषधीय उत्पादों और पारंपरिक उपचार से जुड़े उत्पादों के पेटेंट में भी बोर्ड सहयोग करेगा।

दक्षिण कोण्डागांव वनमंडल अधिकारी चूड़ामणि सिंह ने वैद्यों की सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने वनौषधियों के उपयोग की मात्रा और उपचार संबंधी जानकारी को व्यवस्थित करने, विभिन्न बीमारियों के विशेषज्ञ वैद्यों की सूची तैयार करने तथा उनके अनुभवों को साझा करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कम हो रही वनौषधियों की जानकारी वैद्यों से उपलब्ध कराने का आग्रह किया, ताकि उनके संरक्षण और संवर्धन के लिए आवश्यक योजना बनाई जा सके। उन्होंने वैद्यों के साथ हर महीने बैठक आयोजित करने और वनौषधियों से संबंधित उपयोगी जानकारी का प्रकाशन एवं प्रचार-प्रसार करने की बात कही।

बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम ने कहा कि सरकार वैद्यों और पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियों के संरक्षण के लिए गंभीरता से काम कर रही है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के सभी जिलों में वैद्य सम्मेलन आयोजित कर वैद्यों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अगले तीन महीनों में राज्य के सभी जिलों में वैद्य सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। श्री मरकाम ने कहा कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज और वैद्यों ने पारंपरिक भोजन, दैनिक जीवनशैली, स्वास्थ्य परंपराओं और उपचार पद्धतियों के ज्ञान को आज भी जीवित रखा है। उन्होंने बताया कि नवंबर माह में अखिल भारतीय वैद्य सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ वैद्यों को अपनी उपचार पद्धतियों का प्रदर्शन करने के लिए मंच और स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे।

कार्यक्रम के अंत में बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम ने हीलर हर्बल गार्डन योजना का विधिवत शुभारंभ करते हुए 48 वैद्यों को प्रथम किस्त का स्वीकृति पत्र वितरित किया। सम्मेलन में शामिल सभी वैद्यों को सहभागिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। सम्मेलन में दक्षिण कोण्डागांव और केशकाल वनमंडल से लगभग 200 वैद्य शामिल हुए। इस अवसर पर उपवनमंडल अधिकारी आशीष कुमार कोटरीवार, परिक्षेत्र अधिकारी मोतीलाल बेसरिया, प्रतीक वर्मा सहित दोनों वनमंडलों और बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मंत्री अग्रवाल ने दिए अधिकारियों को सख्त निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर विकासखंड के ग्राम कटकोना पहुंचकर क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं, आवश्यकताओं और स्थानीय स्तर पर सामने आ रहे विभिन्न विषयों की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित एवं यथोचित निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

मंत्री अग्रवाल ने ग्रामीणों से संवाद के दौरान उनकी बातों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में क्षेत्र की जनता से सीधे संवाद करना और उनकी समस्याओं को समझकर उनका समाधान सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। ग्रामीणों द्वारा बताई गई समस्याओं के संबंध में उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली और समस्याओं के निराकरण के लिए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान ग्रामवासियों ने खदान से संबंधित विभिन्न विषय भी मंत्री राजेश अग्रवाल के संज्ञान में लाए। ग्रामीणों की चिंताओं को गंभीरता से सुनते हुए मंत्री ने कहा कि इस विषय में ग्रामवासियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि पूरे मामले का यथोचित परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

श्री अग्रवाल ने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। विकास के साथ स्थानीय लोगों के हितों, सुविधाओं और अधिकारों का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ग्रामवासियों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य करना सरकार की प्राथमिकता है।

ग्राम कटकोना में मंत्री अग्रवाल के साथ हुए संवाद के दौरान ग्रामीणों ने विभिन्न स्थानीय विषयों और आवश्यकताओं से उन्हें अवगत कराया। मंत्री ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनके द्वारा उठाए गए विषयों पर संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के साथ देखा जाएगा।

सिलतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई : अवैध स्क्रैप, कॉइल और स्पंज से भरे 4 वाहन जप्त

रिंग रोड-03 पर छुपाकर रखा था माल, 2 आरोपियों पर बीएनएसएस के तहत कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर ग्रामीण पुलिस ने अवैध रूप से रखे गए स्क्रैप, स्पंज और कॉइल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। थाना सिलतरा पुलिस ने रिंग रोड नंबर-03, धनेली नाला के पास बाउंड्री के पीछे छुपाकर रखे गए 4 मालवाहक वाहनों सहित भारी मात्रा में माल जप्त किया है। पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा के निर्देशन तथा उप पुलिस अधीक्षक माना लम्बोदर पटेल के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

16 अगस्त 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि रिंग रोड-03, धनेली नाला के पास बड़ी बाउंड्री के पीछे संदिग्ध रूप से मालवाहक वाहनों में भारी मात्रा में स्पंज, कॉइल और स्क्रैप रखा हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच की। मौके से उमेश साव पिता लखन साव, उम्र 42 वर्ष, निवासी हर्षित विहार कॉलोनी उरकुरा, थाना खमतराई और अमन कुमार पिता मुन्ना गुप्ता, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम धनेली, थाना सिलतरा को हिरासत में लिया गया। दोनों के विरुद्ध थाना सिलतरा में धारा-35(1)बी BNSS एवं धारा-170/126,135(3) BNSS के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

जप्त किए गए वाहन और माल

हाइड्रा वाहन CG-04-NM-5789 - चालक अमन कुमार था। पिकअप CG-04-NR-1692 - इसमें लगभग 700 क्विंटल स्पंज लोड था। टाटा मालवाहक CG-04-MJ-0251 - इसमें लगभग डेढ़ टन स्क्रैप लोड था। हाइवा CG-04-JB-6710 - इसमें लगभग 1 टन कॉइल लोड था।

पुलिस ने मौके से चारों वाहनों और उनमें लदे माल को जप्त कर लिया है। वाहनों के दस्तावेज, स्वामित्व और माल के स्रोत की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

औद्योगिक क्षेत्र में बढ़ाई गई निगरानी

थाना सिलतरा पुलिस ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र और आसपास के इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों, अवैध परिवहन और संदिग्ध माल की आवाजाही पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

विष्णुभोग धान से निर्मित राखियों की बढ़ी डिमांड, गुजरात और लुधियाना से मिले ऑर्डर

दिल्ली की राष्ट्रीय प्रदर्शनी में छाईं गौरेला-पेंड्रा-मरवाही की राखियां, रचनात्मकता ने खींचा व्यापारियों का ध्यान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़ी गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की महिला स्व-सहायता समूहों की मेहनत और रचनात्मकता अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। विकासखंड पेंड्रा की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा स्थानीय विष्णुभोग धान से तैयार की गई आकर्षक राखियों ने दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी में देशभर से पहुंचे व्यापारियों का ध्यान आकर्षित किया। प्रदर्शनी के बाद अब गुजरात और लुधियाना से इन राखियों के ऑर्डर प्राप्त हुए हैं, जिससे जिले की महिला उद्यमियों में उत्साह का माहौल है।

दिल्ली में 6 से 8 अगस्त तक आयोजित बायोफेच इंडिया ईंटो ऑर्गेनिक प्रदर्शनी में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। इस राष्ट्रीय मंच पर जिले के विष्णुभोग धान, शहद तथा विष्णुभोग धान से निर्मित राखियों को प्रदर्शित किया गया। इनमें विष्णुभोग धान से तैयार राखियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनीं। स्थानीय कृषि उत्पाद को रचनात्मकता के साथ उपयोग में लाकर तैयार की गई इन राखियों ने अपनी विशिष्टता के कारण प्रदर्शनी में पहुंचे व्यापारियों और आगंतुकों का ध्यान खींचा।

विष्णुभोग धान जीपीएम की विशिष्ट पहचान रखने वाले स्थानीय उत्पादों में शामिल है। महिला स्व-सहायता समूहों ने इसी स्थानीय उत्पाद को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ते हुए राखी निर्माण में इसका रचनात्मक उपयोग किया। स्थानीय संसाधन और महिलाओं की सृजनात्मक क्षमता के इस मेल ने एक ऐसे उत्पाद को जन्म दिया, जिसमें जिले की पहचान, ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और स्थानीय संस्कृति की झलक दिखाई देती है। राष्ट्रीय प्रदर्शनी में इन राखियों को मिली सराहना इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय संसाधनों से तैयार गुणवत्तापूर्ण और नवाचार आधारित उत्पादों के लिए देशभर में बाजार की संभावनाएं मौजूद हैं। गुजरात और लुधियाना से मिले ऑर्डर ने इन महिला समूहों के उत्पादों के लिए नए बाजार के द्वार खोल दिए हैं।

बिहान समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रदर्शनियों में जिले के उत्पादों को प्रदर्शित कर उन्हें संभावित खरीदारों और व्यापारियों से जोड़ने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में दिल्ली की राष्ट्रीय प्रदर्शनी में जिले के उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को देश के विभिन्न हिस्सों से आए व्यापारियों तक पहुंचने का अवसर मिला। इसका प्रत्यक्ष परिणाम गुजरात और लुधियाना से प्राप्त राखियों के ऑर्डर के रूप में सामने आया है।

महिलाओं में बढ़ा आत्मविश्वास, रोजगार के नए अवसर : राज्यों से प्राप्त ऑर्डर से राखी निर्माण में जुटी महिला स्व-सहायता समूहों में उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा है। इससे ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्वरोजगार का अवसर मिलने के साथ अपने उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने का मंच भी मिल रहा है। विष्णुभोग धान से तैयार राखियां महिला समूहों की आय बढ़ाने का माध्यम बनने के साथ-साथ जिले के स्थानीय उत्पादों को नई पहचान दिला रही हैं। इससे महिलाओं को अपने हुनर को व्यावसायिक अवसर में बदलने का अवसर मिल रहा है और वे परिवार की आय में योगदान देने के साथ आर्थिक रूप से अधिक सशक्त हो रही हैं।

लोकल से ग्लोबल की ओर बढ़ता गौरेला-पेंड्रा-मरवाही : बिहान महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय धान से तैयार राखियों को गुजरात और लुधियाना जैसे दूरस्थ बाजारों से ऑर्डर मिलना इस बात का संकेत है कि जिले के स्थानीय उत्पादों में राष्ट्रीय स्तर पर बाजार की मजबूत संभावनाएं हैं। महिला स्व-सहायता समूहों की मेहनत, स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग और बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास मिलकर गौरेला-पेंड्रा-मरवाही को ह्यलोकल से ग्लोबलह्ल की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। विष्णुभोग धान से निर्मित राखियों की राष्ट्रीय स्तर पर बनी पहचान जिले के लिए गौरव का विषय होने के साथ ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता और महिला उद्यमिता की सफलता की प्रेरक कहानी भी बन रही है।

संपादकीय

जीत का एहसास कराकर हराना इसे कहते हैं

राजनीति में एक हार-जीत तो चुनाव की होती है ।इसमें हार-जीत का फैसला जनता करती है ।किसे जिताना है यह जनता तय करती है और किसे हराना है यह भी जनता तय करती है। यह जीत-हार पांच साल में एक बार होती है। इसके बाद भी राजनीतिक दलों के बीच हार-जीत का सिलसिला संसद व विधानसभा में भी पांच साल चलता रहता है ।चुनाव में हारा हुआ राजनीतिक दल हार से इतना कुंठित रहता है कि उसे जब भी मौका मिलता है तो वह सत्तारूढ़ दल को हराने का प्रयास करता है, उसके हर काम की आलोचना करता है,आए दिन उसे गलत बताने का प्रयास करता है ।वह सत्तारूढ़ दल को पांच साल हरा तो नहीं पाता है लेकिन वाकआउट कर,चर्चा से भागकर,संसद व विधानसभा न चलने देकर कोई माने या न माने वह मान लेता है कि उसने सत्तारूढ़ दल को हरा दिया है,सरकार को हरा दिया है,सीएम व पीएम को हरा दिया है,गृहमंत्री को दोषी साबित कर दिया है।

राहुल गांधी कई चुनाव हार चुके हैं, वह कांग्रेस के सबसे ज्यादा चुनाव हारने वाले नेता है। इतने चुनाव आज तक कोई कांग्रेस नेता नहीं हारा है,सब जानते हैं और मानते हैं कि राहुल गांधी चुनाव हारे ज्यादा है लेकिन राहुल गांधी नहीं मानते कि वह चुनाव हारते है क्योंकि वह मानते हैं कि चुनाव वह हार नहीं सकते, उनको चुनाव कोई हरा नहीं सकता,उनको तो चुनाव हराया जाता है,उनको तो वोट चोरी कर चुनाव हराया जाता है,उनको तो चुनाव आयोग वोटों में गड़बड़ी कर चुनाव हरा देता है। वह तो 99 सीट जीतकर मानते हैं वह जीते हैं, वह तो मानते हैं कि मोदी 240 सीट जीतकर हारे हैं ।राहुल गांधी चुनाव हारने के कारण कमजोर नेता है लेकिन वह यह नहीं स्वीकारेंगे वह कहेंगे कि मोदी कमजोर नेता है। वह सरकार गिरा नहीं पाते लेकिन कहेंगे कि सरकार गिर जाएगी,वह खुद पीएम बन नहीं पा रहे हैं लेकिन कहेंगे कि पीएम मोदी ज्यादा दिन पीएम नहीं रहेंगे। राहुल गांधी चुनाव के बाद चुनाव हारते चले आ रहे है ।चुनाव में तो वह मोदी व शाह को हरा नहीं पा रहे हैं तो वह संसद के भीतर उनको बातों के जरिए,संसद न चलने देकर, बहस व चर्चा न होने देकर हराने का प्रयास करते हैं, वह कोई कानून पास न होने देकर मानते हैं कि उन्होंने मोदी व शाह को हरा दिया है।

पिछले कई संसद सत्र हो गए राहुल गांधी का कोई काम देश के लोगों को याद रहे या न रहे लोगों को हर संसद सत्र के बाद यह जरूर याद रहता है कि इस बार भी संसद सत्र राहुल गांधी ने नही चलने दिया ।राहुल गांधी के लिए यह कोई बुरी बात नहीं है कि देश की संसद में देश की समस्या पर कोई बहस नहीं होती है, कोई समाधान नहीं निकाला जाता है,नए बनाए कानून पर कोई बहस नहीं होती है और सरकार संसद नहीं चलने के कारण हर संसद सत्र में कई कानून बनाती है और संसद में बिना बहस के पास करा लेती है। सरकार तो चाहती है कि हर कानून पर संसद में बहस हो, उसमें विपक्ष भी कुछ सुझाव दे लेकिन राहुल गांधी की दिलचस्पी कानून पर बहस की जगह मोदी को हराने में रहती है और वह समझते हैं कि संसद चलाना सरकार का काम है और वह चला नहीं पा रही है तो यह सरकार की हार है,पीएम मोदी की हार है, शाह की हार है।

पीएम मोदी व शाह समझ गए हैं कि राहुल गांधी की कमजोरी यह है कि वह चुनाव नहीं जीत पाते हैं तो संसद में कुछ भी करके,कुछ भी कहके,किसी भी मुद्दे को गंभीर मुद्दा बनाकर वह संसद नहीं चलने देकर और संसद के भीतर व बाहर विवादास्पद बयान देकर चर्चा में बने रहने को अपनी जीत मानते हैं तो पीएम मोदी व शाह भी जब तक जरूरी नहीं होता है संसद में आकर कुछ नहीं कहते हैं,जब संसद चलनी ही नहीं है तो पीएम मोदी व शाह के संसद आने से भी कोई फायदा तो होना नही हैं, वह जानबूझकर संसद नहीं आते हैं और राहुल गांधी जो करना चाहते हैं,उनको लंबे समय तक करने देते हैं, इससे पीएम मोदी व शाह को तो कोई फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन राहुल गांधी खुद ही संसद न चलने देकर रोज एक्सपोज होते रहते हैं। दिल्ली में पैलेट गन चलने और प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज को राहुल गांधी ने इस बार बड़ा मुद्दा बना लिया। इसके लिए उन्होंने मांग की पीएम मोदी को छात्रों से माफी मांगने चाहिए और अमित शाह को संसद में आकर बताना चाहिए कि पैलेट गन चलाने आदेश किसने दिया।

राहुल गांधी के वहम हो गया था कि वह जैसा चाहेंगे वैसा पीएम मोदी व शाह करने को मजबूर हो जाएंगे। वह पीएम मोदी,शाह को संसद में झुकने को कहेंगे और वह झुक जाएंगे लेकिन ऐसा न पहले हुआ है और न इस बार संसद में हुआ। पीएम मोदी व शाह ने जेनजी की नाराजगी को अपने तरीके से दूर करने का प्रयास किया ।वह जो चाहते थे, जल्दी जो हो सकता था वह कानून बनाकर,प्रधान का इस्तीफा लेकर कर दिया और जो बाद में हो सकता है, उसके लिए देश के बड़े व जाने माने लोगों की समिति बना दी है। संसद के भीतर वह राहुल गांधी को वह एहसास दिलाते रहे संसद में न आकर कि राहुल गांधी इस बार उन पर भारी पड़ रहे हैं। पीएम मोदी व अमित शाह वाकई डर गए हैं और डर के मारे संसद नहीं आ रहे हैं ।राहुल गांधी को अमित शाह ने मुगालते में रखा और राहुल गांधी मुगालते मे रहे कि अमित शाह संसद आ ही नहीं सकते और संसद सत्र समाप्त होने के एक दिन पहले अमित शाह संसद आए और कह दिया वह राहुल गांधी के उठाए हर मुद्दे का जवाब देने को तैयार हैं ।यह राहुल गांधी के लिए अप्रत्याशित था और उन्होंने वही किया जो अमित शाह चाहते थे। राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह की काल्पनिक बातें सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है ।यह कहकर राहुल गांधी जीती हुई बाजी हार गए,उनके यह कहने से उनकी बीस दिन की मेहनत पर पानी फिर गया ।हुआ वही जो अमित शाह व पीएम मोदी चाहते थे यानी संसद के भीतर वह छात्रों,लाठीचार्ज व पैलेट गन पर कुछ बोलना नहीं चाहते थे। राहुल गांधी उनके कुछ कहलवाना चाहते थे सफल कौन हुआ। सफल तो पीएम मोदी व शाह हुए, असफल राहुल गांधी हुए। इसे कहते है जीतते जीतते खुद की गलती से हार जाना।

नाग पंचमी : प्रकृति के प्रति सम्मान और सह-अस्तित्व का पर्व

सुनील कुमार महला

भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है-नाग पंचमी। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में नाग पंचमी का पावन पर्व 17 अगस्त (सोमवार) को मनाया जाएगा। जानकारों के अनुसार सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 16 अगस्त को दोपहर 4:52 बजे से शुरू होकर 17 अगस्त को शाम 5:00 बजे समाप्त होगी, और उदया तिथि के कारण यह त्योहार 17 अगस्त को ही मनाया जाएगा। इस दिन नाग की पूजा की जाती है। दरअसल,नागों(सर्पों) को प्रकृति, शक्ति, सुरक्षा, उर्वरता और पर्यावरणीय संतुलन के प्रतीक माना गया है।

इस पर्व का धार्मिक महत्व है। भगवान शिव ने अपने गले में नाग धारण कर रखा है, उनके गले में नाग का विराजमान होना उनके प्रकृति और समस्त जीव-जगत के साथ सामंजस्य का प्रतीक माना जाता है। भगवान विष्णु की शेषनाग पर शयन मुद्रा भी नागों के धार्मिक महत्व को दर्शाती है। इस दिन नाग देवता की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि, सुरक्षा और कल्याण की कामना की जाती है। जीव-जंतुओं का भारतीय संस्कृति में हमेशा हमेशा से महत्वपूर्ण व अहम्स्थान रहा है और जीव-दया, जीवों के प्रति करूणा, सह-अस्तित्व की भावना हमारे देश की संस्कृति रही है। नाग या सर्प खेतों में चूहों जैसे कृंतकों की संख्या नियंत्रित करके फसलों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए सर्पों को किसान का मित्र कहा जाता है।

कहना गलत नहीं होगा कि सर्प विभिन्न जीवों की आबादी को नियंत्रित करके खाद्य-श्रृंखला(फूड चेन) को संतुलित रखते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र और जैव-विविधता को बनाए रखने में सर्पों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि,यह बात अलग है कि सर्प स्वयं भी बाज, उल्लू, नेवला, मोर और अन्य जीवों के भोजन का हिस्सा हैं। इसलिए उनका अस्तित्व खाद्य-जाल की अनेक कड़ियों को प्रभावित करता है। प्रकृति का अपना एक सिस्टम है और इस सिस्टम में हर छोटे से छोटे और बड़े से बड़े जीव की अपनी भूमिका व महत्व है और सर्प भी उनमें से एक है, लेकिन आज सर्पों को मार दिया जाता है और प्रकृति चक्र को डिस्टर्ब कर दिया जाता है,यह ठीक नहीं है।

सरल शब्दों में कहें तो सर्पों से भय के कारण उन्हें मार देना पर्यावरणीय दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। यदि हम सर्पों को मारेंगे तो धरती पर चूहों और कृंतकों की संख्या बढ़ सकती है, फसलों पर दबाव बढ़ सकता है, जैसा कि चूहे और अन्य कृतंक बीज, अनाज और पौधों को अधिक नुकसान पहुँचा सकते हैं। सर्प नहीं होंगे तो इससे हमारी खाद्य श्रृंखला प्रभावित हो जाएगी, क्यों कि सर्प मोर, नेवला और अन्य शिकारी पक्षियों का भोजन हैं,जो पर्यावरण और प्रकृति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सर्प नहीं होंगे तो हमें चूहों व अन्य कृतंकों से फसलों को बचाने के लिए रासायनिक उर्वरकों, पेस्टीसाइड्स , दवाओं का इस्तेमाल करना पड़ेगा, जिससे रासायनिक उपायों पर निर्भरता बढ़ सकती है, इसलिए इनको बचाना,इनका संरक्षण करना बहुत आवश्यक है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर वर्ष अनुमानतः 58 हजार लोगों की मृत्यु सर्पदंश से होती है, जिससे भारत विश्व में सर्पदंश मृत्यु के सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है; हालांकि उपचार एवं मृत्यु के मामलों की कम रिपोर्टिंग के कारण वास्तविक आंकड़ा अलग हो सकता है, लेकिन बावजूद इसके हमें यह याद रखना चाहिए कि सर्प प्रकृति के महत्वपूर्ण प्रहरी हैं।

जैसा कि ऊपर इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि वे चूहों और अन्य कृंतकों की संख्या नियंत्रित कर खेतों तथा खाद्यान्न की रक्षा करने में सहायता करते हैं और खाद्य-श्रृंखला को संतुलित बनाए रखते हैं। सर्प स्वयं भी अनेक पक्षियों और वन्यजीवों के भोजन का हिस्सा हैं, इसलिए उनका संरक्षण जैव-विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के लिए आवश्यक है। सर्पों के प्रति भय नहीं, बल्कि सावधानी और सह-अस्तित्व की भावना विकसित करना प्रकृति संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नाग पंचमी का पर्व हमें नाग जैसे महत्वपूर्ण जीव का संरक्षण कख संदेश देता है। संक्षेप में कहें तो आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण और करुणा को जोड़ना ही नाग पंचमी का वास्तविक व असली संदेश है।

कविता का कोना

एहसास – बुढ़ापा

बुढ़ापा आया देखो,
जवानी की विदाई है।
जवानी के खर्च कम थे,
बुढ़ापे ने खर्चा बढ़ाई है।

जो रह नहीं सकते थे
कभी हमारे बिन,
उन्हीं ने आज हमें
बोझ बताया है।

बदल गई है सूरत-सकल,
उम्र ने ऐसी करवट खाई है।
कल तक थी चेहरे पर चमक,
आज झुर्रियों की परछाई है।

बुढ़ापा आया देखो,
जवानी की विदाई है।
यही जीवन की सच्चाई है,
यही उम्र की गहराई है।

कवियत्री-ममता दुबे भिलाई

प्रधान मंत्री का लालकिले से 'विकसित भारत' का संकल्प

अशोक भाटिया

ऐतिहासिक लालकिले की प्राचीर केवल पत्थरों की एक संरचना नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत के उतार-चढ़ाव, उसकी आकांक्षाओं, उसकी नियति और उसके सामूहिक संकल्पों की मूक गवाह रही है। हर वर्ष 15 अगस्त को इस प्राचीर से देश के प्रधानमंत्री जब राष्ट्र को संबोधित करते हैं, तो वह केवल एक औपचारिक भाषण नहीं होता, बल्कि वह आने वाले समय के लिए देश का नीतिगत और वैचारिक रोडमैप होता है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी ऐतिहासिक प्राचीर से वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का जो अटूट संकल्प दोहराया है, वह देश की समकालीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज के लिए एक युगांतकारी मोड़ है। विकसित भारत का यह विजन महज एक राजनीतिक नारा नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक चेतना को जगाने और उन्हें राष्ट्र निर्माण के एक महायज्ञ में आहुति देने के लिए प्रेरित करने वाला एक व्यापक राष्ट्रीय दर्शन है। जब हम इस विराट संकल्प की बात करते हैं, तो हमें इसके ऐतिहासिक संदर्भ और प्रासंगिकता को गहराई से समझना होगा। भारत ने लगभग दो सदियों तक औपनिवेशिक दासता और आर्थिक शोषण का दंश झेला है। 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ, तब हमारी अर्थव्यवस्था जर्जर थी, साक्षरता दर दयनीय थी और अकाल तथा गरीबी जैसी बुनियादी चुनौतियां हमारे सामने थीं। शुरूआती दशकों में भारत का मुख्य ध्यान आत्मनिर्भरता और बुनियादी अस्तित्व की रक्षा पर था। हमने खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए हरित क्रांति की, अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए सैन्य तंत्र को मजबूत किया और धीरे-धीरे एक ठोस औद्योगिक आधार तैयार किया। आज, स्वतंत्रता के इस दौर में, भारत उस स्थिति से बहुत आगे निकल चुका है और अब हम केवल एक अस्तित्व बनाए रखने वाले देश नहीं हैं, बल्कि हम वैश्विक पटल पर एक नई दिशा तय करने वाले राष्ट्र बन चुके हैं। यह संकल्प इस बात का प्रतीक है कि अब भारत अपनी विकासशील छवि के खोल को तोड़कर वैश्विक शक्तियों की अग्रिम पंक्ति में खड़े होने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2047 का वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारी स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष होगा, और कोई भी राष्ट्र अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर दुनिया के सामने अपनी सफलता का क्या प्रमाण प्रस्तुत करता है, यही उसका वास्तविक ऐतिहासिक मूल्यांकन होता है।

इस व्यापक संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए देश के चार प्रमुख वर्गों को विकास का मुख्य केंद्र बिंदु बनाया गया है, जिन्हें युवा, महिला, किसान और गरीब के रूप में रेखांकित किया गया है। इन चारों स्तंभों के समग्र सशक्तिकरण के बिना किसी भी विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है और हमारी जनसांख्यिकीय लाभांश हमारी सबसे बड़ी ताकत है। विकसित भारत का सपना तभी सच हो सकता है जब इस युवा ऊर्जा को सही दिशा, उत्कृष्ट शिक्षा और वैश्विक स्तर का कौशल मिले। देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना इसी दिशा में उठाए गए बड़े कदम हैं। इसके साथ ही, विकसित भारत का दूसरा अनिवार्य पहलू महिलाओं का सशक्तिकरण और उनके नेतृत्व में होने वाला विकास है। जब तक देश की आधी आबादी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से पूरी तरह सक्रिय नहीं होगी, तब तक विकास की रफ्तार अधूरी रहेगी। सेनाओं में महिलाओं की भागीदारी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती महिलाओं की बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि वे अब नीति निर्धारण के केंद्र में आ रही हैं। इसी तरह, भारत की आत्मा आज भी गांवों में बसती है और हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कृषि क्षेत्र में तकनीकी सुधार, आधुनिक खेती को बढ़ावा और वैश्विक कृषि आपूर्ति श्रृंखला में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना आवश्यक है। किसान जब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर आधुनिक कृषि-उद्यमी बनेगा, तभी ग्रामीण भारत समृद्ध होगा। अंत में, अंत्योदय की भावना के अनुरूप समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचना चाहिए, क्योंकि किसी भी राष्ट्र को तब तक विकसित नहीं कहा जा सकता जब तक कि बहुआयामी गरीबी का पूरी तरह उन्मूलन न हो जाए और हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन स्तर न मिल जाए।

आर्थिक मोर्चे पर, भारत आज दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की ओर अग्रसर है। लेकिन विकसित देश बनने के लिए हमें केवल सकल घरेलू उत्पाद के आकार को ही नहीं बढ़ाना है, बल्कि प्रति व्यक्ति आय और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में भी गुणात्मक सुधार करना होगा। इसके लिए विनिर्माण और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देना आवश्यक है। मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत आज मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, रक्षा उत्पादन और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। रक्षा क्षेत्र में, जहां कभी हम पूरी तरह आयातों पर निर्भर थे, आज हम स्वदेशी अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों का निर्माण कर रहे हैं और उनका निर्यात भी बढ़ा रहे हैं। भारतीय कॉर्पोरेट जगत को अब वैश्विक कंपनियों की तर्ज पर अपनी क्षमता का विस्तार करना होगा ताकि भारतीय ब्रांड दुनिया भर के बाजारों में अग्रणी भूमिका निभा सकें। इसके साथ ही, देश के बुनियादी ढांचे का कायाकल्प किया जा रहा है। आधुनिक रेलवे, एक्सप्रेसवे का विस्तृत नेटवर्क, जलमार्गों का विकास और हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और व्यापार को सुगम बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एक मजबूत और आधुनिक बुनियादी ढांचा ही विकसित भारत की ठोस नींव बनेगा, जो देश के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगा।

तकनीक और नवाचार के इस युग में जो देश अग्रणी रहेगा, वही दुनिया के भविष्य को दिशा देगा। भारत ने डिजिटल क्षेत्र में जो क्रांति की है, उसने दुनिया के विकसित देशों को भी अचंभित किया है। हमारा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल लेनदेन की व्यवस्था आज वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बन चुकी है। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं है, बल्कि वह विश्व को सस्ती, सुरक्षित और समावेशी तकनीक देने वाला प्रदाता भी है। विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ता निवेश इस विजन को और स्पष्ट करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर मिशन, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत का बढ़ता कदम यह दशार्ता है कि हम भविष्य की तकनीकों के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर और संप्रभु होना विकसित भारत की एक अनिवार्य शर्त है, जो हमें वैश्विक मंच पर एक अद्वितीय पहचान दिलाएगी।

संकल्प जितना विराट होता है, उसकी राह की चुनौतियां भी उतनी ही कठिन होती हैं। विकसित भारत के मार्ग में कई आंतरिक और बाह्य चुनौतियां हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ क्षेत्रीय और सामाजिक असमानता को पाटना एक बड़ी चुनौती है। विकास का लाभ समाज के हर वर्ग और देश के हर कोने तक समान रूप से पहुंचना चाहिए। इसके अलावा, भारत को पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच एक कुशल संतुलन बनाना होगा। जलवायु परिवर्तन के खतरों को देखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना युद्धस्तर पर आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर, हमारी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-अनुकूल बनना होगा, क्योंकि लालफीताशाही और भ्रष्टाचार विकास की गति को धीमा करते हैं। वैश्विक मोर्चे पर, वर्तमान समय की भू-राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक व्यवधान भी हमारे सामने चुनौतियां खड़ी करते हैं, जिनसे निपटने के लिए भारत को अपनी कूटनीतिक कुशलता और आंतरिक आर्थिक सुदृढ़ता को निरंतर मजबूत बनाए रखना होगा।

इस पूरे महायज्ञ में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के नागरिकों की है। कोई भी देश केवल सरकार की नीतियों, बजट या घोषणाओं से विकसित नहीं बनता। सरकार मार्ग प्रशस्त कर सकती है, बुनियादी ढांचा दे सकती है, लेकिन उस पर चलकर देश को आगे ले जाने का काम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से ही संभव होता है। विकसित भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का हर नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह सजग नहीं होता। चाहे वह करों का ईमानदारी से भुगतान करना हो, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना हो, पर्यावरण को बचाना हो, या फिर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पूर्ण ईमानदारी और उत्कृष्टता के साथ योगदान देना हो—ये सभी नागरिक प्रयास मिलकर एक विशाल राष्ट्रीय शक्ति का निर्माण करते हैं। जब देश के नागरिक राष्ट्र प्रथम की भावना को अपने जीवन का मूल मंत्र बना लेंगे, तो भारत की प्रगति को कोई रोक नहीं पाएगा।

विकसित भारत का संकल्प केवल आर्थिक आंकड़ों या ऊंची इमारतों तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जो आर्थिक रूप से समृद्ध हो, तकनीकी रूप से अग्रणी हो, सामाजिक रूप से समरस और न्यायपूर्ण हो, और सांस्कृतिक रूप से अपनी समृद्ध जड़ों से जुड़ा हुआ हो। यह एक ऐसे भारत का सपना है जहां हर नागरिक को समान अवसर, उत्कृष्ट शिक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा मिले। लालकिले की प्राचीर से गूंजा यह संकल्प देश के लिए एक महान आह्वान है। आने वाले दो दशक भारत के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होने जा रहे हैं। यदि हम सब मिलकर पूरी निष्ठा और राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ इस संकल्प के प्रति समर्पित हो जाएं, तो निश्चित रूप से वर्ष 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मना रहा होगा, तब वह विश्व पटल पर एक परम वैभवशाली, समर्थ और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा।

बेरोजगारों का आक्रोश बढ़ाती शैक्षिक विसंगतियां

विश्वनाथ सचदेव

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के एक सर्वेक्षण के अनुसार देश में 20 से 29 वर्ष की आयु के लगभग एक करोड़ दस लाख युवा स्नातक बेरोजगार हैं। इस स्थिति के दो अर्थ हो सकते हैं—एक तो यह कि प्रार्थी ज्यादा हैं और रोजगार है नहीं, और दूसरा यह कि स्नातक तक की पढ़ाई के दौरान उन्हें जो पढ़ाया गया है वह उन्हें किसी रोजगार के लायक नहीं बनाता। कुछ ही दिन पहले राजधानी दिल्ली में युवा आक्रोश का एक नमूना देखा था देश ने। युवाओं की कॉकरोच पार्टी ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा दिलवाकर ही दम लिया था। फिर ऐसा ही आक्रोश झारखंड की राजधानी में पहुंचा। पिछले लगभग दो सप्ताह से रांची में युवा आंदोलन कर रहे हैं। सरकार से उनकी बातचीत तो हुई, पर बात बनी नहीं। सरकार ने दावा किया है कि युवाओं की नब्बे प्रतिशत मांगें स्वीकार कर ली गई हैं। जो दस प्रतिशत बची हैं उनमें से कुछ न्यायालय में विचाराधीन हैं। पर छात्र (युवा) मान नहीं रहे। अपने दावे के अनुसार वे राज्य की विधानसभा को घेर तो नहीं पाये, पर वहां तक पहुंच अवश्य गए।

उधर सरकार भी डट गई है। पता नहीं क्यों वह बची हुई दस प्रतिशत मांगें, जिनमें प्रमुख मांग मामले को सीबीआई के सुपुर्द करने की है, स्वीकार नहीं कर पा रही। शायद आप तक यह सब पहुंचने तक विवाद का कोई हल भी निकल आए। लेकिन, समस्या मात्र एक विवाद की नहीं है। कहीं अधिक गंभीर है मामला—समस्या युवाओं के आंदोलनी तेवरों के कारण समझने की है। युवाओं की हताशा और आक्रोश को समझने की आवश्यकता है।

यह अनायास ही नहीं हुआ कि देश में सब तरफ युवा-आक्रोश की बात होने लगी है। एक अर्से से यह गुस्सा भीतर ही भीतर पनप रहा था। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने पता नहीं क्या सोच कर देश के युवाओं की तुलना तिलचट्टों (कॉकरोचों) से कर दी और उन्हें परजीवी घोषित कर दिया। सात समंदर पार बैठे एक भारतीय युवक को कुछ खल गया और उसने मजाक-मजाक में एक कॉकरोच पार्टी बना डाली। शायद यह उसे भी नहीं पता था कि उसका यह कदम देश के युवाओं की पीड़ा की अभिव्यक्ति बन जाएगा। बहुत तीखी और पीड़ादायक अभिव्यक्ति थी यह। जंतर-मंतर पर जो कुछ हुआ और अब रांची में जो कुछ हो रहा है या फिर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी छात्रों की जिस गूंज को स्वर दे रहे हैं और आरएसएस के प्रमुख जिन युवाओं को अपनी पीढ़ी से अधिक ईमानदार और देशभक्त बता रहे हैं, यह सब कुल मिलाकर देश के युवाओं की पीड़ा को ही उजागर करने वाला है।

यह सही है कि इस सारे प्रकरण की शुरूआत नीट जैसी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई धांधली का कारण बनी। यह भी सही है कि यह धांधली अपने आप में कोई छोटी समस्या नहीं है। पर देश का युवा जिस समस्या से जूझ रहा है वह कहीं अधिक जटिल और गहरी है। हताश है देश का युवा। वह जब नीट जैसी परीक्षाओं में बैठता है तो उसकी आंखों में एक सुनहरे भविष्य का सपना होता है। बहुत पीड़ा होती है जब ऐसा कोई सपना टूटता है। और यह पीड़ा तब और गहरी हो जाती है जब वह यह पाता है कि इसमें उसका कोई दोष नहीं है। कुछ गलत तत्व, कोई गलत व्यवस्था और कुछ गलत नीतियां उसके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के लिए जिम्मेदार हैं। वह समझ नहीं पाता कि उसका अवसर की समानता का अधिकार कोई कैसे छीन लेता है; सारी जरूरी योग्यताओं के बावजूद वह बेकारी से पीछा क्यों नहीं छुड़ा पाता?

हां, बेकारी एक बड़ा कारण है हमारे देश के युवाओं की पीड़ा और आक्रोश का। सरकार भले ही कैसे और कितने ही दावे करती रहे अच्छे दिनों के, पर देश के युवा पथराई आंखों से इंतजार कर रहे हैं उन दिनों और उन स्थितियों का जब उनके दिन अच्छे होंगे। हकीकत यह है कि 15 से 24 आयु वर्ग के हमारे युवा आज एक गंभीर आर्थिक-सामाजिक चुनौती बन गए हैं। हमारे पास युवाओं की सबसे बड़ी आबादी है। यह संख्या हमारी ताकत होनी चाहिए थी, पर दुर्भाग्य से आज यह अपने आप में एक समस्या है। हम यह कह कर अपने आप को कुछ दिलासा दे सकते हैं कि हमारी युवा बेरोजगारी की दर (10.2 प्रतिशत) दुनिया की बेरोजगारी दर से कम है। दुनिया की युवा बेरोजगारी दर 15.6 प्रतिशत है।

हमारे देश में कुल बेरोजगार आबादी का लगभग 83 प्रतिशत हिस्सा युवाओं का है। इन बेरोजगारों में एक बड़ा हिस्सा पढ़े-लिखे युवाओं का है। दुर्भाग्य है कि यह पढ़ाई रोजगार की दृष्टि से उनके बहुत काम की नहीं है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के एक सर्वेक्षण के अनुसार देश में 20 से 29 वर्ष की आयु के लगभग एक करोड़ दस लाख युवा स्नातक बेरोजगार हैं। इस स्थिति के दो अर्थ हो सकते हैं—एक तो यह कि प्रार्थी ज्यादा हैं और रोजगार है नहीं, और दूसरा यह कि स्नातक तक की पढ़ाई के दौरान उन्हें जो पढ़ाया गया है वह उन्हें किसी रोजगार के लायक नहीं बनाता। दोनों ही अर्थ अपने आप में डराने वाले हैं। यह स्थिति हमारी उद्योग-नीति और शिक्षा-नीति दोनों पर सवालिया निशान लगाती है।

एक सर्वेक्षण के अनुसार हमारे देश में प्रति वर्ष 80 लाख से 1 करोड़ स्नातक तैयार होते हैं। इनमें से लगभग 15 लाख विद्यार्थी हर साल केवल इंजीनियरिंग क्षेत्र से होते हैं।

दूसरा सवाल उपयुक्त शिक्षा का है, जिसका सीधा रिश्ता उस पाठ्यक्रम से है जो हम अपने विद्यार्थियों को पढ़ा रहे हैं। इंफोसिस के सह-संस्थापक एन. आर. नारायणमूर्ति के अनुसार भारत के अधिकांश इंजीनियरिंग ग्रेजुएट सीधे तौर पर नौकरी के योग्य नहीं होते। इसका कारण उन्होंने यह बताया कि कॉलेज की शिक्षा और वास्तविक उद्योगों की जरूरतों के बीच एक बड़ा अंतर है। यहीं यह तथ्य जानना भी रोचक होगा कि पढ़े-लिखे युवाओं में बेरोजगारी की दर हमारे केरल में सर्वाधिक है—और हकीकत यह भी है कि देश के किसी भी राज्य की तुलना में केरल में साक्षरता का प्रतिशत सबसे ज्यादा लगभग शत-प्रतिशत! स्पष्ट है कि कहीं न कहीं हमारी शिक्षा-नीति में कोई बुनियादी कमी है, जिसकी ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा।

बेरोजगारी, गरीबी और बढ़ती जनसंख्या के मेल ने हमारे युवाओं की समस्याओं को बढ़ा दिया है। इन तीनों के कारण देश के युवाओं को सही और उचित काम नहीं मिलता, उनकी बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं होतीं। उनकी निराशा धीरे-धीरे हताशा में बदलती जाती है। इस स्थिति के जो भी परिणाम हो सकते हैं, वे हमारे सामने हैं। ऐसे में युवाओं पर उंगली उठाना या फिर उन्हें कॉकरोच, परजीवी अथवा राष्ट्र-विरोधी आदि कहना अपने आप में किसी अपराध से कम नहीं है।

इन दिनों देश में, और शेष विश्व में भी, युवा पीढ़ी (जेन जी और जेन अल्फा) को लेकर कई स्तरों पर बहस चल रही है। दिल्ली के जंतर-मंतर और रांची के युवा-आंदोलनों को ह्यएक बिगड़ी हुई युवा पीढ़ी की हताशा की अभिव्यक्तिह्ल कहने वालों की भी कमी नहीं है। और ऐसे भी हैं जो इन ह्यबिगड़े दिमागों में घनी खुशियों के लच्छेह्ल देखते हैं। इस संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत का कथन कुछ हैरान करने वाला है—पर सुखद हैरानी है यह। जंतर-मंतर पर युवाओं के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि वह प्रदर्शनकारी युवाओं को राष्ट्र-विरोधी नहीं मानते। विरोध-प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अधिकार बताते हुए उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी उनकी पीढ़ी से अधिक सजग है, यह आदेश मानने के बजाय तार्किक जवाब चाहती है।

उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र में विरोध जताना संवाद का एक तरीका है जो आम सहमति बनाने में मदद करता है। मोहन भागवत की यह स्वीकारोक्ति हैरान इसलिए करती है कि उनकी इस टिप्पणी से दो-तीन दिन पहले ही आरएसएस के उनके वरिष्ठ सहयोगी ने जंतर-मंतर का हवाला देते हुए आज की युवा पीढ़ी को बहुत कुछ सुना दिया था। सच बात तो यह है कि हमारी ह्यजेन जीह्ल पीढ़ी सोच और व्यवहार दोनों को नई दिशा देने वाली है। आवश्यकता उसकी आलोचना करने की नहीं, उसे परजीवी मानने की नहीं, उसे समझने की है। यह पीढ़ी जो है, जैसी है, उसकी भर्त्सना करने से बात नहीं बनेगी, बात तब बनेगी जब हम उसके सोच की अनगढ़ता के बजाय उसके भीतर की सकारात्मकता को जानने-समझने की कोशिश करें। कब करेंगे हम यह कोशिश, यह हमें सोचना है।

एमजीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-6 में धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

देशभक्ति के गीत, नृत्य और प्रेरणादायक भाषणों से गूंजा स्कूल परिसर, ईमानदारी, सच्चाई, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का महत्व बताया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेक्टर-6 स्थित एमजीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, उत्साह और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 8 बजे स्कूल परिसर में हुई, जिसमें छात्र, शिक्षक और अतिथि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की प्रार्थना से हुआ। इसके बाद स्कूल के कॉरेस्पोंडेंट सुरेश जैकब ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और विद्यार्थियों ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। हेड गर्ल तनिष्ठा सान्याल ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमजीएम स्कूल के पूर्व छात्र और ENT विशेषज्ञ डॉ. अनुज गुप्ता थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए ईमानदारी, सच्चाई, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना सर्वश्रेष्ठ देकर देश के विकास में योगदान देना चाहिए, बिना यह सोचे कि देश बदले में क्या देगा।

देशभक्ति प्रस्तुतियों से सराबोर हुआ माहौल

कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने देशभक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। प्री-प्राइमरी के बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा १कऔर १क्क के विद्यार्थियों ने देशभक्ति समूह गीत और जुंबा नृत्य किया। प्रथम पाली के विद्यार्थियों ने संगीत, देशभक्ति गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। डिप्टी हेड गर्ल

आलिया परवेज और अलीशा ने प्रेरणादायक भाषण दिए, जबकि मोक्ष जंघेल ने देशभक्ति कविता सुनाई।

सभा को संबोधित करते हुए कॉरेस्पोंडेंट सुरेश जैकब ने स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों और उनके बलिदानों को याद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे भौगोलिक सीमाओं से आगे बढ़कर व्यापक सोच विकसित करें और देश की प्रगति में योगदान दें।

गणमान्यजन रहे उपस्थित

कार्यक्रम में स्कूल के वाइस प्रेसिडेंट वेरी रेवरेंड गीवर्गीस कोर एपिस्कोपा, मुख्य अतिथि डॉ. अनुज गुप्ता एवं डॉ. पूजा गुप्ता, स्कूल और चर्च मैनेजिंग कमेटी के सदस्य राजन वर्गीस, साजन चेरियन, के.पी. थॉमस, बिजॉय आइप, भावेश सैम, जोजी मैथ्यू और के.एम. चाको उपस्थित रहे।

स्कूल के प्रिंसिपल फादर जेम्स गीवर्गीस, प्रथम पाली की हेडमिस्ट्रेस एलिजाबेथ अनीता राजन, द्वितीय पाली की हेडमिस्ट्रेस सोमी सजीव, एकेडमिक कोऑर्डिनेटर मीनू जैकब थॉमस और प्री-प्राइमरी इंचार्ज एस. जीना भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम का समापन हेड बॉय शुभम अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए स्कूल मैनेजमेंट, स्टाफ और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। इसके बाद राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

खास खबर

राजनांदगांव : देर रात आपसी विवाद में युवक की हत्या, 4 संदिग्ध हिरासत में

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शहर के चिखली थाना क्षेत्र में कल देर रात लगभग 11 बजे आपसी विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और 4 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतक की पहचान पप्पू देशमुख उर्फ सत्यजीत देशमुख के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह शहर के एक प्रतिष्ठित देशमुख होटल के संचालक का छोटा भाई था।

विवाद के बाद हुई हत्या : पुलिस सूत्रों के अनुसार देर रात पप्पू देशमुख और उसी क्षेत्र के रहने वाले बबलू साहू, सोमेश साहू, विक्की साहू और मुकेश साहू के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने पप्पू देशमुख पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही चिखली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और मामले की जांच शुरू की गई।

4 लोग हिरासत में, जांच जारी : पुलिस ने मामले में 4 लोगों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या के पीछे का सही कारण और घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार के बारे में जांच के बाद ही स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहनता से पड़ताल कर रही है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

औंधी में दर्दनाक हादसा : डबरी में डूबने से भाई-बहन की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

मोहला-मानपुर। मोहला-मानपुर विकासखंड के औंधी क्षेत्र में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। खेत में बनी डबरी में डूबने से एक ही परिवार के दो मासूम भाई-बहन की मौत हो गई। भाई-बहन की एक साथ मौत से परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में मातम पसर गया।

बचाने के प्रयास में दोनों डूबे : मिली जानकारी के अनुसार औंधी निवासी जीवन तिर्की अपने बच्चों एलेक्स 7 वर्ष और सृष्टि 13 वर्ष के साथ खेत गए थे। इसी दौरान दोनों बच्चे खेत में बनी डबरी में नहाने चले गए। पहले छोटा भाई एलेक्स गहरे पानी में डूबने लगा। उसे बचाने के लिए बड़ी बहन सृष्टि ने भी छलांग लगा दी, लेकिन दोनों पानी की गहराई में समा गए।

काफी देर तक बच्चों के वापस न लौटने परिजन उनकी तलाश में निकले। डबरी के किनारे बच्चों के कपड़े देखकर अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद परिजनों ने डबरी में खोजबीन शुरू की और दोनों के शव बाहर निकाले। उन्हें तत्काल औंधी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। एक साथ दो मासूमों की मौत से माता-पिता सहित पूरा परिवार टूट गया है। जिस घर में कभी बच्चों की किलकारियां गूंजती थीं, वहां अब चीख-पुकार और मातम का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस बच्चों के डूबने की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

जुलाई से अब तक डूबने की 5वीं घटना : औंधी क्षेत्र में पानी में डूबने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। जुलाई से अब तक अलग-अलग स्थानों पर यह पांचवीं घटना है। खेतों की डबरियों, तालाबों और अन्य जलस्रोतों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर यह हादसा गंभीर सवाल खड़े करता है। एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत से पूरा औंधी क्षेत्र गमगीन है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जलस्रोतों के पास चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।

हाफ नदी से मरका महादेव तक गूंजा हर हर महादेव, शिवभक्तों ने किया जलाभिषेक

मंत्री दयाल दास बघेल ने पुष्पवर्षा कर किया कांवड़ियों का स्वागत, पूरा क्षेत्र बना शिवमय

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

सावन के पावन अवसर पर बेमेतरा जिले में आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। अंधियारखोर स्थित हाफ नदी के तट से पवित्र जल लेकर करीब दो हजार शिवभक्त कांवड़ियों ने ग्राम मरका स्थित प्रसिद्ध महादेव मंदिर तक भव्य कांवड़ यात्रा निकाली। कांवड़ यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र "हर-हर महादेव" और "बोल बम" के जयघोष से गूंज उठा।

क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री दयाल दास बघेल के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। कांवड़ियों ने हाफ नदी से विधिवत जल उठाया और पैदल यात्रा करते हुए मरका महादेव मंदिर पहुंचे। यहां श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का पवित्र जल से जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की।

पुष्पवर्षा कर हुआ स्वागत

यात्रा के दौरान मंत्री दयाल दास बघेल ने स्वयं कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। जैसे ही कांवड़ियों का जत्था आगे बढ़ा, श्रद्धालुओं पर फूलों की वर्षा कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। हाथों में कांवड़ और जुबां पर भोलेनाथ का नाम लिए हजारों शिवभक्त मरका की ओर बढ़ते नजर आए।

हर-हर महादेव से गूंजा वातावरण

कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों ने पूरे रास्ते धार्मिक गीतों और जयकारों के साथ यात्रा पूरी की। मरका पहुंचने के बाद मंदिर में पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक किया गया। आयोजन में जिला भाजपा अध्यक्ष अजय साहू सहित भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हुए।

आस्था और एकता का संदेश

कांवड़ यात्रा ने न केवल धार्मिक आस्था को प्रदर्शित किया, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों को एक साथ जोड़ने का संदेश भी दिया। जलाभिषेक के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से क्षेत्र में अच्छी वर्षा, समृद्धि और सभी की खुशहाली की प्रार्थना की।

सीएसवीटीयू में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस, नई वेबसाइट का भी हुआ शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई में 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ विश्वविद्यालय की नई एवं आधुनिक आधिकारिक वेबसाइट http://www.csvtu.ac.in का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. अरुण अरोरा, नवनियुक्त कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी, डॉ. पंकज मिश्रा निदेशक यूटीडी, इन्फोसेल प्रभारी भावना शुक्ला सहित सभी अधिकारी, प्राध्यापक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे। ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों और वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कुलपति प्रो. अरुण अरोरा ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वतंत्रता हमें राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देती है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने और तकनीकी ज्ञान के साथ मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने कविता, नृत्य और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे परिसर को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

लॉन्च हुई नई वेबसाइट

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. अरुण अरोरा ने विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट http://www.csvtu.ac.in का शुभारंभ किया। नई वेबसाइट को विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और संबद्ध महाविद्यालयों के लिए अधिक सरल, सुविधाजनक और उपयोगकर्ता अनुकूल बनाया गया है। इसे मोबाइल, टैबलेट, लैपटॉप और डेस्कटॉप पर आसानी से चलाया जा सकता है।

वेबसाइट के डिजाइन एवं तकनीकी विकास का कार्य Ayodhya Webosoft Pvt. Ltd. द्वारा किया गया है। तकनीकी परामर्श एवं समन्वय में इन्फोसेल प्रभारी भावना शुक्ला और आईटी कंसल्टेंट एवं असिस्टेंट प्रोफेसर पवन गुन्टू का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नई वेबसाइट की प्रमुख विशेषताएं : सभी संबद्ध महाविद्यालयों की पाठ्यक्रम सहित विस्तृत जानकारी, विश्वविद्यालय के सभी विभागों और विभागवार संपर्क विवरण तक आसान पहुंच, स्थापना से अब तक की उपलब्धियों का डिजिटल प्रदर्शन, परीक्षा अपडेट, सिलेबस और अकादमिक संसाधनों की त्वरित उपलब्धता, पीएच.डी. कार्यक्रम, शोध गतिविधियों और शोधार्थियों की संपूर्ण जानकारी, नवाचार, स्टार्टअप और शोध परियोजनाओं का डिजिटल प्रदर्शन, खेल गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी और Responfsive Design के साथ बेहतर User Experience

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि नई वेबसाइट के माध्यम से प्रवेश, परीक्षा, अधिसूचना, विभागीय गतिविधियों, शोध एवं अनुसंधान से जुड़ी सभी जानकारियां एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी। इससे विद्यार्थियों, शिक्षकों और अन्य हितधारकों को जानकारी तक त्वरित और सुगम पहुंच मिल सकेगी।

दुर्ग पुलिस का साइबर जागृति अभियान, ट्रेजर आइलैंड मॉल में 1500 लोग हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में दुर्ग पुलिस द्वारा साइबर क्राइम मुक्त छत्तीसगढ़ संकल्प को मजबूत करने के उद्देश्य से शनिवार को ट्रेजर आइलैंड मॉल, भिलाई में विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 1500 से अधिक नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात कौशलेन्द्र देव पटेल के नेतृत्व में किया गया। आयोजन ग्रेसी म्यूजिक अकादमी के सहयोग से किया गया।

यातायात सुरक्षा और नशा मुक्ति पर जोर : अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात कौशलेन्द्र देव पटेल ने नागरिकों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार अपनाएं और स्वयं के साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने नाबालिगों को वाहन न देने, नो पार्किंग में और सड़क पर वाहन खड़ा न करने की अपील की। नशा मुक्ति पर कल्याणी नशा मुक्ति केंद्र से अजय कल्याणी ने नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहकर भविष्य और परिवार को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया।

साइबर अपराध से बचाव के उपाय बताए : साइबर क्राइम प्रभारी डॉ. संकल्प राय ने नागरिकों को साइबर अपराध के बदलते तरीकों और उनसे बचाव के उपाय बताए। उन्होंने डिजिटल लेन-देन में सावधानी बरतने, OTP और बैंकिंग जानकारी साझा न करने तथा संदिग्ध लिंक और कॉल से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध से बचाव में जागरूकता और सतर्कता प्रत्येक नागरिक की पहली सुरक्षा है।

नुक्कड़ नाटक बना आकर्षण : BSP की टीम इंद्रधनुष समूह और ग्रेसी म्यूजिक अकादमी द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। कलाकारों ने मनोरंजक प्रस्तुति के माध्यम से साइबर ठगी और नशे से होने वाले नुकसान का संदेश दिया। कार्यक्रम में यातायात जोन प्रभारी निरीक्षक जीआर ओगरे, स्मृतिनगर चौकी प्रभारी अमित अंदानी सहित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। एक्स-आर्मी एसोसिएशन के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह भी शामिल हुए। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 पर सूचना दें तथा नशे से संबंधित सहायता के लिए 1933 हेल्पलाइन का उपयोग करें।

कांवड़ यात्रा | अमरकंटक से भोरमदेव तक 600 कांवड़ियों के साथ 10 दिन की पदयात्रा का भव्य समापन

151 किमी की कांवड़ यात्रा पूर्ण: विधायक भावना बोहरा ने भोरमदेव में किया जलाभिषेक

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम-भोरमदेव

आस्था, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से शुरू हुई 151 किलोमीटर की ऐतिहासिक कांवड़ पदयात्रा शनिवार 16 अगस्त को भोरमदेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के साथ पूर्ण हुई। 10 अगस्त को अमरकंटक से प्रारंभ हुई इस यात्रा में विधायक भावना बोहरा सहित 600 कांवड़ियों ने हिस्सा लिया। यात्रा के अंतिम दिन बोड़ला से प्रस्थान कर कांवड़ियों ने सुकवापारा, जैताटोला, खैरबना, घोंघा, चौरा होते हुए भोरमदेव मंदिर पहुंचकर माँ नर्मदा के पवित्र जल से बाबा भोरमदेव का जलाभिषेक किया।

जनसैलाब से गूंजा भोरमदेव धाम

कांवड़ यात्रियों के पहुंचते ही पूरा क्षेत्र "हर-हर महादेव, बोल बम और भारत माता की जय" के नारों से गूंज उठा। हजारों श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। सड़क के दोनों ओर उमड़े जनसैलाब से पूरा कबीरधाम जिला भक्तिमय हो गया। मंदिर परिसर में पिछले वर्ष से भी अधिक भीड़ देखने को मिली।

कठिन मार्गों पर भी नहीं टूटी आस्था

वनांचल के पहाड़ी रास्तों, नदियों और तेज बारिश की चुनौतियों के बावजूद कांवड़ियों के कदम नहीं रुके। पैरों में छाले और थकान के बावजूद "हर हर महादेव" के जयघोष के साथ यात्रा जारी रही। यात्रा के दौरान कांवड़ियों ने एक हाथ में तिरंगा और दूसरे हाथ में कांवड़ थामे रखी।

विधायक भावना बोहरा ने कही ये बात

जलाभिषेक के बाद विधायक भावना बोहरा ने कहा कि "यह यात्रा केवल 151 किमी की पदयात्रा नहीं, बल्कि माँ नर्मदा और भगवान भोलेनाथ के प्रति अटूट आस्था, सनातन संस्कृति के प्रति समर्पण और राष्ट्र के प्रति गौरव का आध्यात्मिक संकल्प थी। तिरंगा हमें कर्तव्य और गौरव का स्मरण कराता है, वहीं भगवा ध्वज हमारी संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है।" उन्होंने

छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना भगवान भोलेनाथ से की। विधायक ने यात्रा में सहयोग करने वाले श्रद्धालुओं, ग्रामीणों, प्रशासन और सेवा में जुटे सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

यात्रा का मार्ग : अमरकंटक ? पांडातराई ? गंडईकला रोड ? कुसुमघटा ? नेऊरगांव ? तरेगांव ? खंतीपारा ? बोड़ला ? सुकवापारा ? जैताटोला ? खैरबना ? घोंघा ? चौरा ? भोरमदेव मंदिर रहा।

इस अवसर पर भोरमदेव मंदिर में हजारों कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के लिए भंडारा एवं प्रसादी की व्यवस्था भी की गई थी।

क्या अल्लू अर्जुन की 'राका' का हिस्सा नहीं होंगे शाहरुख खान

हाल ही में सोशल मीडिया पर यह खबरें आई कि अपकमिंग फिल्म 'राका' में शाहरुख खान कैमियो करेंगे। हालांकि, एक नई रिपोर्ट ने इन दावों को खारिज कर दिया है और कहा है कि बॉलीवुड सुपरस्टार इस प्रोजेक्ट से नहीं जुड़े हैं। अफवाहें थीं कि शाहरुख 'राका' में एक खास रोल में दिखेंगे।

'राका' का हिस्सा नहीं किंग

बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक ये खबरें गलत हैं। शाहरुख खान 'राका' का हिस्सा नहीं हैं और फिल्म में उनका कोई कैमियो नहीं है। भले ही एटली के साथ शाहरुख के रिश्ते उनकी फिल्म 'जवान' की बड़ी सफलता के बाद से मजबूत हुए हैं, लेकिन एक्टर को यह प्रोजेक्ट कभी ऑफर ही नहीं किया गया।

अल्लू के साथ नहीं दिखेंगे शाहरुख

शाहरुख और अल्लू अर्जुन के फैंस इन दोनों एक्टर्स को स्क्रीन पर एक साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हालांकि, ऐसा लगता है कि अब ऐसा कुछ नहीं होने वाला है।

क्या विदेश में शूट करने वाले थे शाहरुख?

पहले खबर आई थी कि टीम विदेश में शूटिंग के दौरान शाहरुख के खास रोल को शूट करने के बारे में सोच रही थी। मगर अब पता चल रहा है कि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

फिल्म की स्टारकास्ट

एटली के निर्देशन में बन रही यह फिल्म बहुत बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है। यह एक साइंस-फिक्शन एंटरटेनर फिल्म है। उम्मीद है कि फिल्म में अल्लू अर्जुन कई रोल में दिखेंगे, जबकि दीपिका पादुकोण फीमेल लीड रोल में होंगी। खबरों से यह भी पता चलता है कि मृणाल ठाकुर, जाह्नवी कपूर, रश्मिका मंदाना, राम्या कृष्णन, योगी बाबू और जिम सरभ को अहम रोल के लिए कास्ट किया गया है।

दीपिका के शूट पर फोकस

बताया जाता है कि एटली दीपिका के हिस्से की शूटिंग पूरी करने को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि वह अगले महीने मैटरनिटी ब्रेक पर जा रही हैं। उम्मीद है कि इस फिल्म की शूटिंग साल के आखिर तक पूरी हो जाएगी। इसे 2027 के आखिर में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है।

शादी को लेकर बोलीं हुमा कुरैशी

शादी जब होनी होगी...

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'महारानी' फेम एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने शादी को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। जानिए एक्ट्रेस कब करने वाली हैं शादी।

इंटरव्यू में हुमा कुरैशी ने शादी को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने हंसते हुए कहा कि शादी के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'आप और मेरी मम्मी दोनों एक ही सवाल पूछते हैं। मेरे पास अभी इसका कोई जवाब नहीं है कि शादी कब होगी। शादी जब होनी होगी तब हो जाएगी। फिलहाल मेरे पास बहुत काम है। ये साल मेरे लिए काफी व्यस्त है और अभी मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान दे रही हूं।'

कियारा का किया था समर्थन

बता दें कि हुमा अपने बेबाक जवाबों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में फिल्म 'टॉक्सिक' में इंटिमेट सीन करने के लिए ट्रोल हो रहीं कियारा को लेकर भी हुमा ने अपनी बात रखी थी। युवा के शो 'बी ए मैन यार' में बातचीत के दौरान निखिल तनेजा ने यह मुद्दा उठाया कि कियारा को यश से ज्यादा ट्रोल किया जा रहा है। इस पर हुमा ने कहा, 'ये बहुत बीमार है, घिनौना है। लेकिन मुझे लगता है कि इस फिल्म की महिलाएं आखिर में हंसेंगी। हर चीज को डिफेंड करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि आप शब्दों से लोगों की सोच नहीं बदल सकते। मैं चाहूंगी कि फिल्म ही इसका जवाब दे।'

इस फिल्म में नजर आएंगी हुमा

बता दें कि हुमा आने वाले समय में फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और यह 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और हुमा कुरेशी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे। इससे पहले हुमा 'बेबी डू डाई डू' में नजर आई थीं।

मेरी सफलता का श्रेय पति करण को जाता है, हर कदम पर दिया साथ

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री सुरभि चंदना पति के साथ पिछले कई समय से शादी के बंधन में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि करियर के हर पड़ाव पर पति उनके लिए बड़ा सपोर्ट बनकर सामने आए। साथ ही, जरूरत बनने पर परिवार के खास मौकों का भी त्याग किया। अभिनेत्री ने बताया कि दोनों 21 साल की उम्र से एक-दूसरे के साथ हैं। अब हम दोनों 36 साल के हो गए हैं। हमने साथ में सब कुछ देखा है। असल में हम साथ-साथ में ही बड़े हुए हैं।' एक्ट्रेस ने बताया कि इन वर्षों में दोनों ने एक-दूसरे की पर्सनल और प्रोफेशनल कामयाबियां देखी हैं। उन्होंने मुझे एमबीए करते हुए देखा, मैंने उन्हें लंदन में एमबीए करते हुए देखा। फिर मैं एक्ट्रेस बनी। उन्होंने मेरी पूरी एक्टिंग यात्रा को देखा है।'

सुरभि चंदना ने बताया कि कैसे पति करण उनके साथ ऑडिशन में साथ जाया करते थे और जब वह अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश कर रही होती थीं, तो वह सब्र के साथ उनका इंतजार करते थे। उन्होंने बताया, 'करण मुझे ऑडिशन में ले जाया करते थे। मैं लाइन में खड़ी रहती थी और वह कार में मेरा इंतजार किया करते थे। ऐसे में करण ने अपने परिवार के कई जरूरी सेलिब्रेशन तक छोड़े हैं, क्योंकि उनके लिए मेरा ऑडिशन ज्यादा जरूरी होता था।'

अभिनेत्री ने कहा, 'मेरी कामयाबी का श्रेय करण को जाता है। बेशक, मेरी मां भी मुझे ऑडिशन के लिए ले जाती थीं, लेकिन करण इस यात्रा के हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं। आज भी अगर हम कुछ बड़ा हासिल कर लेते हैं, तो हम साथ मिलकर उसे सेलिब्रेट करते हैं। यह हमेशा से छोटा सेलिब्रेशन होता है, कभी कोई बड़ी पार्टी नहीं होती। हां, हमें घूमना-फिरना पसंद है, लेकिन उससे भी ज्यादा हमें खाना पसंद है। इसलिए हम डेट नाइट प्लान करते हैं। कभी-कभी हम मॉस्को में सेलिब्रेट करते हैं, कभी मालदीव में, तो कभी मलेशिया में। हमने कड़ी मेहनत की है और पैसे कमाए हैं, इसलिए हम ऐसा कर सकते हैं।'

क्या आरडी बर्मन की बायोपिक में नजर आएंगे इमरान हाशमी

आरडी बर्मन की बायोपिक को लेकर दर्शकों में उत्साह है। नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर खूब अटकलें लग रही हैं। बीते दिनों कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए गए कि अभिनेता इमरान हाशमी फिल्म से जुड़ गए हैं। वे पंचम दा के करीबी दोस्त और मशहूर एक्टर-सिंगर व कॉमेडियन महमूद की भूमिका निभाते नजर आएंगे। मगर, इन खबरों का इमरान हाशमी ने खंडन कर दिया है।

इमरान हाशमी ने क्या कहा

इमरान हाशमी ने बीती रात अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि वे बायोपिक में काम नहीं कर रहे हैं। आरडी बर्मन की बायोपिक में महमदू की भूमिका निभाने संबधी खबरों को लेकर इमरान हाशमी ने लिखा है कि 'मैं साफ कर दूं कि एक बायोपिक में मेरे महमूद साहब की भूमिका निभाने की खबरें सच नहीं हैं'। 'न तो मुझे इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है और न ही मैं यह फिल्म कर रहा हूं'।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि आर.डी. बर्मन की बायोपिक में एक्टर इमरान हाशमी की एंट्री हो गई है। वे एक्टर, सिंगर और फिल्ममेकर महमूद का रोल निभाएंगे, जिनकी उस महान म्यूजिक कंपोजर के साथ गहरी दोस्ती और क्रिएटिव बॉन्ड था। मगर, इमरान हाशमी की प्रतिक्रिया के बाद साफ है कि इन खबरों में सच्चाई नहीं है।

आउटसाइडर कहे जाने पर छलका काजल राघवानी का दर्द

भोजपुरी अभिनत्री काजल राघवानी भोजपुरी सिनेमा जगत का चर्चित नाम हैं। उन्होंने 80 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम किया है। फिलहाल वे रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने ऐसे लोगों को जवाब दिया है, जो उन पर आरोप लगाते हैं कि वे खुद को 'गुजराती' और 'आउटसाइडर' बताकर काम मांगती हैं।

काजल राघवानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया कि आखिर किसने उन्हें 'आउटसाइडर' कहा है? मगर, एक लंबा नोट लिखकर जवाब दिया है। उनका दर्द इस बात को लेकर छलका है कि कुछ लोग उन पर यह आरोप लगाते हैं कि वे आउटसाइडर होने का विक्टिम कार्ड प्ले करती हैं।

मुझे लगता है कि मैं यहीं की हूं

साझा किए गए पोस्ट में काजल लिखती हैं, 'मैं गुजराती हूं। मैं बाहरी हूं। मैं रो-रोकर काम मांगती हूं या सहानुभूति ले रही हूं। दर्शकों से ये जितना मैंने नहीं बोला, उससे ज्यादा मुझे सुनाया गया या कुछ दिनों में महसूस करवाया गया उसके लिए बस इतना कहूंगी कि अगर मैंने कहीं बोला है तो ये कहा है ये मेरी कर्म भूमि है या मैं हमेशा प्रयास करूंगी इस इंडस्ट्री का या उन जनता का, जिसने मुझे इतना प्यार देकर यहां तक पहुंचाया। मुझे लगता है कि मैं यहीं की हूं। यहां हर चीज अपनी है'।

मुझे सुनाना बंद करिए कि मैं गुजराती हूं

काजल राघवानी ने आगे लिखा है, '16 साल भोजपुरी इंडस्ट्री में काम करके एक बात कहूंगी कि अगर मैंने यहां की जनता या यहां की मिट्टी को यहां की धरती को या इंडस्ट्री को अपनाया नहीं होता, अपना नहीं माना होता तो इतने साल से इंडस्ट्री में हूं, वह रह ही नहीं पाती। ना कोई मुझे काम देता तो मुझे ये सुनाना बंद करिए कि मैं गुजराती हूं। आउटसाइडर का विक्टिम कार्ड प्ले कर रही हूं या सहानुभूति हासिल करके काम ले रही हूं। रो-रो कर वो भी। मैं तो नहीं मान रही, लेकिन मुझे ये अब महसूस जरूर करवाया जा रहा है, क्योंकि आप लोग यूपी बिहार से हैं।

श्री कृष्ण से बड़ा कोई एक्टर हो नहीं सकता

इंडस्ट्री में तकरीबन दो दशक का समय बिता चुके रजनीश दुग्गल एक सुपर मॉडल भी रहे। बचपन में उन्होंने क्या किसी ने कल्पना नहीं की थी कि वे अभिनय के क्षेत्र में आएंगे। मगर पहले उनकी हाइट-बॉडी उन्हें मॉडलिंग जगत में लाई और फिर उनकी प्रतिभा ने उनके लिए अभिनय के दरवाजे खोले। 1920, डेंजरस इश्क, एक पहेली लीला, वजह तुम हो जैसी कई फिल्मों के अलावा वे टीवी पर खतरों के खिलाड़ी, आरंभ और संजोग में भी नजर आए थे। इन दिनों वे चर्चा में हैं ओटीटी की अपनी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के सीजन 2 से। हाल ही में रजनीश एनबीटी के ऑफिस आए थे। एनबीटी के कार्यालय में हुई खास मुलाकात में उन्होंने सीरीज के अलावा कई मुद्दों पर बात की। मॉडलिंग और फैशन जगत से आए रजनीश की अभिनय यात्रा से तो लोग वाकिफ हैं, मगर बहुत कम लोग जानते हैं कि वे पक्के कृष्ण भक्त हैं। बकौल रजनीश, 'मैं दिल्ली से हूं। हमारे घर में हमेशा से शिवजी, माता रानी, श्रीराम और भगवान कृष्ण सहित सभी देवी-देवताओं की पूजा होती रही है। जब मैं करीब दस साल का था, तब मेरे पिता का वृंदावन आना-जाना शुरू हुआ। छोटी-सी कार में परिवार के साथ होने वाली ड्राइव्स धीरे-धीरे दिल्ली से वृंदावन तक पहुंच गईं। फिर जैसे बांके बिहारी जी और राधा रमण जी का ऐसा बुलावा आया कि पूरा परिवार कृष्ण भक्ति में रंग गया। हम रातों-रात शाकाहारी बन गए। आज हमारे घर में लहसुन-प्याज तक नहीं बनता, क्योंकि हर भोजन पहले ठाकुर जी को अर्पित किया जाता है। हालांकि मैं खाने-पीने की पसंद को पूरी तरह व्यक्तिगत मानता हूं और किसी को जज नहीं करता। मेरे माता-पिता तो वर्षों पहले वृंदावन में ही बस गए।'

किरदार निभाने से कृष्ण समझ आए

उन्होंने आगे कहा, 'हम चाहते थे कि वे हमारे साथ रहें, लेकिन उनका मन वहीं रम गया। अब हमारा पूरा परिवार कृष्ण भक्ति से जुड़ चुका है। मुझे लगता है कि श्रीकृष्ण से बड़ा 'एक्टर' कोई नहीं हो सकता। वे छलिया भी हैं, रसिया भी, नायक भी हैं और जीवन के हर रंग को जीने वाले भी। गीता का सार यही है कि जीवन के लगभग हर प्रश्न का उत्तर उसमें कहीं न कहीं मिल जाता है। 2019 में मैंने 'श्रीमद् भागवत महापुराण' में श्रीकृष्ण की भूमिका निभाई थी। उस किरदार को जीते हुए मैं प्रेम, क्रोध और जीवन के कई अनुत्तरित प्रश्नों को नए नजरिए से समझ पाया। मुझे लगा कि श्रीकृष्ण केवल एक पात्र नहीं, बल्कि जीवन को समझने का एक मार्ग हैं।

अपनी पत्नी के लिए करवा चौथ का व्रत रखता हूं

रजनीश दुग्गल की शादी को 21 साल हो गए हैं, मगर बीते सालों में उन्होंने अपनी पत्नी पल्लवी के साथ अपनी शादी को मजबूत बनाया है। शादी और काम के बीच के संतुलन के बारे में वे कहते हैं, 'हर किसी के लिए उसका काम और परिवार जरूरी होता है, मगर मेरे लिए मेरा परिवार प्राथमिकता है। मेरी फैमिली हमेशा काम से एक परसेंट ऊपर ही रही। यही वजह है कि मैंने कई ऐसी फिल्मों से किनारा किया, जहां मुझे लगा कि मेरा और मेरी पत्नी पल्लवी का रिश्ता खराब हो सकता था, क्योंकि मेरे लिए पल्ल्वी बहुत मायने रखती है। मुझे याद है मेरा पहला किसिंग सीन भी मैंने पल्ल्वी से डिस्कस करने के बाद ही किया था। मगर फिर मेरे पास उसी तरह के रोल्स आने लगे, तो मैंने मना करने शुरू किए।

वह रजनीश दुग्गल के मॉडलिंग करियर का सुनहरा दौर था। सुपरमॉडल के तौर पर उनकी जबरदस्त पहचान बन चुकी थी, तभी उन्होंने शादी का फैसला किया। इतने ग्लैमरस माहौल में रिश्ते को कैसे संभाला? इस सवाल पर रजनीश हंसते हुए एक दिलचस्प किस्सा सुनाते हैं। वे कहते हैं, 'मैं सिर्फ 24 साल का था, जब हमारी शादी हुई। हालांकि उससे पहले मैं और पल्लवी काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। एक बार बड़े फैशन वीक के बाद एक हाई-प्रोफाइल पार्टी थी, जहां तमाम नामी मॉडल्स और डिजाइनर्स मौजूद थे। बारिश की वजह से लॉन में पानी भर गया था। मेरे आसपास कई फीमेल मॉडल्स थीं और मुझे महसूस हो रहा था कि कुछ मेरा ध्यान खींचने की कोशिश कर रही हैं। तभी मैंने बिना कुछ सोचे पल्लवी को गोद में उठाया और पानी पार कराते हुए अंदर ले गया।

पंचतत्वों के संतुलन और प्रकृति संरक्षण से ही मानव जीवन सुरक्षित : डॉ. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मेडिकल कॉलेज परिसर में किया पौधरोपण,

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजनांदगांव प्रवास के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में मौलश्री का पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, पौधरोपण और प्रकृति के संतुलन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नागरिकों से अधिक से अधिक फलदार एवं उपयोगी पौधे लगाने का आह्वान किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आजादी की 80 वर्ष की यात्रा पूरी हो चुकी है।

भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर स्थापित राजनांदगांव का मेडिकल कॉलेज सभी के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण हुआ और आज प्रदेश में बड़ी संख्या में मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थान विकसित हुए हैं। उन्होंने मेडिकल कॉलेज परिसर को हरा-भरा देखकर प्रसन्नता व्यक्त की।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रकृति सबसे बड़ी चिकित्सक है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश पंचतत्वों से हमारा जीवन और यह सृष्टि बनी है। प्रकृति हमें अन्न, जल, वायु और सूर्य की ऊर्जा जैसी अमूल्य चीजे निःशुल्क प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन का महत्व कोरोना काल में सभी ने अनुभव किया, जब लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए संघर्ष करना पड़ा। इसलिए पेड़ों का संरक्षण और अधिक से अधिक पौधरोपण मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि पर्यावरण का संतुलन बिगड ? पर मानव अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। जल को प्रदूषित और वायु को अशुद्ध करने के दुष्परिणाम आज महानगरों में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने भावी चिकित्सकों से प्रकृति संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी का हिस्सा बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थी भविष्य के डॉक्टर हैं और डॉक्टर मानव जीवन की रक्षा करने वाले महत्वपूर्ण सेवक हैं। उन्होंने कहा कि भगवान के बाद मानव जीवन की रक्षा में डॉक्टर का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में बेहतर कार्य करने वाले चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, सफाई कर्मचारियों एवं अन्य कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आने वाले समय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिक से अधिक कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने पौधरोपण के अवसर पर नागरिकों से स्थानीय एवं फलदार प्रजातियों के पौधे लगाने का आग्रह किया। उन्होंने आम, जामुन, पीपल, बरगद, आंवला, हर्रा, बहेड़ा, कुसुम आदि उपयोगी पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधे केवल लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी किया जाना चाहिए। उन्होंने सौर ऊर्जा का अधिक से अधिक उपयोग करने कहा। उन्होंने कहा कि सूर्य की ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होने वाली ऊर्जा है और इसका उपयोग स्वच्छ ऊर्जा के रूप में किया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों को सौर ऊर्जा अपनाने और पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनने का संदेश दिया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों की प्रतिष्ठा वहां कार्य करने वाले चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारियों की सेवाभावना से बनती है। उन्होंने शासकीय मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव में बेहतर कार्य करने के लिए सभी चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी।

महापौर मधुसूदन यादव ने देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले शहीदों को नमन किया। उन्होंने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव लाखों लोगों को जीवनदान देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की सेवाभावना की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। महापौर यादव ने बताया कि मेडिकल कॉलेज परिसर में आगामी फिजियोथेरेपी सेंटर के लिए 200 पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में इस वर्ष लगभग 10 हजार पौधों का रोपण किया जा रहा है। पिछले भीषण गर्मी को देखते हुए पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए सार्वजनिक स्थानों के साथ-साथ नागरिकों को अपने घरों में भी फलदार एवं छायादार पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर प्रत्येक नागरिक से पौधरोपण करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि नगर पालिक निगम, वन विभाग एवं अन्य माध्यमों से नागरिकों को पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

महापौर यादव ने मेडिकल कॉलेज परिसर में पौधों की बेहतर देखरेख के लिए प्रबंधन को धन्यवाद देते हुए सभी से पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर अध्यक्ष राजगामी संपदा न्यास पूर्णिमा साहू, खूबचंद पारख, कोमल सिंह राजपूत, संतोष अग्रवाल, रमेश पटेल, पार्षद पारस वर्मा, भावेश बैद, आईजी अजय कुमार यादव, कलेक्टर जितेन्द्र यादव, सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी, मेडिकल कॉलेज के डीन पंकज लुका सहित चिकित्सक, अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

खास खबर

वृद्धाश्रम का शुभारंभ एवं वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित एवं जन कल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम का शुभारंभ एवं वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान समारोह आज मोहला में गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, माननीय सांसद, राज्यसभा रहीं। कार्यक्रम का आयोजन लोकशक्ति परिसर, हनुमान मंदिर के पास, भोजटोला रोड, वार्ड क्रमांक-01, टेलीटोला, मोहला में किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया तथा उनके अनुभव, मार्गदर्शन एवं समाज में योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया।

मुख्य अतिथि श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता को समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि वृद्धजनों का सम्मान हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने वृद्धजनों के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सहयोगपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों ने वृद्धाश्रम के शुभारंभ को क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया। वृद्धाश्रम के माध्यम से जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को आश्रय, देखभाल एवं सम्मानजनक जीवन का वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री दिलीप वर्मा, जिला कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति, जिला प्रशासन व समाज कल्याण विभाग के अधिकारी गण , जन कल्याण सामाजिक संस्थान के पदाधिकारी, वरिष्ठ नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

कलेक्टर ने कलेक्टोरेट में किया ध्वजारोहण

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने स्वतंत्रता दिवस पर कलेक्टोरेट में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कलेक्टर ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर एवं छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कलेक्टर ने जिला कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कलेक्टर ने इस दौरान कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मुलाकात की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

साइबर क्राइम के विरुद्ध छत्तीसगढ़ पुलिस का प्रदेश व्यापी साइबर जागृति अभियान शुरू

बढ़ रहे अपराधों और उनसे बचने के व्यावहारिक उपाय के बारे में बताया

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

बेमेतरा पुलिस का विशेष अभियान 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चलेगा, स्वतंत्रता दिवस पर मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद एवं बेमेतरा विधायक, कलेक्टर ,एसपी और मीडिया के लोगों ने ध्वजारोहण के पश्चात नागरिकों से जुड़ने के लिए अपील की, प्रदेशवासियों को साइबर अपराधों के लिए जागरूक और सुरक्षित करने के उद्देश्य से यह अभियान शुरू किया जा रहा है, यह साइबर अपराध से लोगों को जागरुक कर सुरक्षित रखने के लिए उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों की जानकारी देने का अभियान प्रदेश स्तरीय है।

यह अभियान सभी जिलों में जिला स्तर पर व्यापक रूप से संचालित किया जाएगा। 15 अगस्त 2026 स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोकसभा सांसद विजय बघेल, बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, जिला दंडाधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा मंमगाई, पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल और मीडिया साथियों ने जिला मुख्यालय बेमेतरा के बेसिक स्कूल ग्राउंड में ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात किया गया। उपस्थित अतिथि और नागरिकों की उपस्थिति में जागरूकता की सेल्फी ली और नागरिकों को इस अभियान से जोड़ने के लिए अपील की गई। साइबर अपराध पर नियंत्रण एवं लोगों को अधिक से अधिक संख्या में जागरूक करने के उद्देश्य से लिए गए। इस महाअभियान का प्रयास अपराधों की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पुलिस एवं जिला पुलिस के सोशल मीडिया हैंडल पर जारी लिंक को क्लिक कर अथवा कर कोड को स्कैन कर जागरूकता संदेश वाली सेल्फी फ्रेम में अपनी सेल्फी लेकर उसे सोशल मीडिया में हैंडल पर पोस्ट एवं शेयर करने का कार्य प्रारंभ हुआ है।

पुलिस टीम द्वारा साइबर अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई और वर्तमान समय में बढ़ रहे विभिन्न प्रकार के अपराधों और उनसे बचने के व्यावहारिक उपाय के बारे में बताया गया। ऑनलाइन ठगी फर्जी कस्टमर केयर फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर ठगी डिजिटल अरेस्ट केवाईसी अपडेट के नाम पर ठगी फर्जी लिंक वह कर कोड सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाली ठगी ओटीपी फ्रॉड बैंकिंग फ्रॉड तथा निवेश के नाम पर होने वाले साइबर अपराधों के प्रति सचेत करना साथ ही नागरिकों को किसी भी प्रकार की सहायता की होने पर घबराने की बजाय तत्काल इसकी सूचना बैंक एवं पुलिस को देने तथा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करने के संबंध में जानकारी दी गई। साइबर अपराध के प्रति स्वयं जागरूक रहना और दूसरों को भी जागरूक करना डिजिटल सुविधाओं का उपयोग करते समय सतर्कता एवं सावधानी बरतना एवं किसी संदीप ऑनलाइन गतिविधि अथवा साइबर्ट की स्थिति में तत्काल संबंधित बैंक एवं पुलिस को सूचना देना सशक्त डिजिटल भारत के निर्माण में अपना योगदान करने की और सुरक्षित रहने की बात की गई।

इस अवसर पर वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिंह, बेमेतरा जनपद अध्यक्ष हेमा जया दिवाकर, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य दयावंत बंदे, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर हरीश यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेमलता पद्माकर, अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा सोनल गवाल, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, अनुविभागी अधिकारी राजस्व जनप्रतिनिधि जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी विभाग के अधिकारी, विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित बड़ी संख्या में नगर वासियों उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस : राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने किया ध्वजारोहण

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

जिले में 80 वें स्वतंत्रता दिवस हर्ष व उल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय के स्टेडियम स्कूल ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया तथा सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा शांति के प्रतीक श्वेत कपोत व विकास के प्रतीक तिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गये। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत नम्रता सिंह, उपाध्यक्ष भोजेश शाह मंडावी, अध्यक्ष जनपद पंचायत मोहला गैंदकुवर ठाकुर, कलेक्टर तुलिका प्रजापति, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह, डीएफओ दिनेश पटेल, एडीएम मिथलेश डोंडे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि दिलीप वर्मा, अनिल गुप्ता, रमेश हिड़ामें, एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

ध्वजारोहण एवं सलामी के पश्चात मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण किया। समारोह में आईटीबीपी, जिला पुलिस बल, एनसीसी एवं स्काउट-गाइड के छात्र-छात्राओं की टुकड़ियों ने अनुशासित एवं आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने परेड में शामिल जवानों एवं विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने शहीदों के परिवारजनों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने शहीद परिवारों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता एवं सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सपूतों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिले के स्कूली बच्चों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं संस्कृति की भावना से ओत-प्रोत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम स्थान पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास मोहला, द्वितीय स्थान स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय मोहला तथा तृतीय स्थान सरस्वती शिशु मंदिर मोहला ने प्राप्त किया। इसी प्रकार परेड मार्च पास्ट प्रदर्शन में प्रथम स्थान छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 14वीं वाहिनी पुलिस बल, द्वितीय स्थान जिला पुलिस बल महिला टुकड़ी तथा तृतीय स्थान जिला पुलिस बल नव आरक्षक टुकड़ी ने प्राप्त किया। मौके पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

वीर शहीदों को याद कर कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने कलेक्ट्रेट परिसर में किया ध्वजारोहण

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने कलेक्ट्रेट परिसर मोहला में ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत नजर आया।

कलेक्टर प्रजापति ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा एवं राष्ट्र सेवा के आदर्शों को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने की अपील की। साथ ही छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं जिले की सुख-समृद्धि और निरंतर विकास की कामना की। इस अवसर पर कलेक्टर प्रजापति ने

अधिकारी-कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों एवं वीर शहीदों के त्याग और बलिदान को स्मरण7 करने का अवसर देता है। इस दौरान एसडीएम मोहला हेमेंद्र भुआर्य, डिप्टी कलेक्टर डीआर ध्रुव सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव ने किया ध्वजारोहण

राजनांदगांव। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला पंचायत राजनांदगांव परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव ने ध्वजारोहण किया।

समारोह में राष्ट्रगीत वंदेमातरम्... एवं राष्ट्रगान जन गण मन... का गायन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव ने समारोह में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला पंचायत के सभापति, जिला पंचायत सदस्य, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी सहित पंचायत एवं ग्रामीण विकास के सभी विभाग तथा अन्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

शहीदों को नमन मंत्री लखन लाल देवांगन ने फहराया तिरंगा, अमर शहीदों के परिजन व 132 कर्मी सम्मानित

कवर्धा में देशभक्ति के उल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस का पर्व

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कबीरधाम जिला मुख्यालय स्थित आचार्य पंथ श्री गृंधमुनि नाम साहब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैदान में 80वां स्वतंत्रता दिवस अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। जिले के प्रभारी एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात राष्ट्रगान और पुलिस जवानों की बैंड धुन पर राष्ट्रीय सलामी दी गई।

मुख्य अतिथि मंत्री श्री देवांगन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस का यह पावन पर्व माँ भारती की वंदना का अवसर है। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह और वीर गुंडाधुर के बलिदान को नमन किया।

समारोह में 10 परेड टोलियों ने आकर्षक मार्चपास्ट कर सलामी दी। सशस्त्र प्लाटून वर्ग में 17वीं वाहिनी छग बल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूली विद्यार्थियों ने देशभक्ति और छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कवर्धा ने पहला स्थान हासिल किया।

इस पावन अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने नक्सली मुठभेड़ में शहीद हुए जवानों के परिजनों को शॉल, श्रीफल एवं उपहार भेंटकर सम्मानित किया। इसके साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले 132 अधिकारियों-कर्मचारियों को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर गोपाल वर्मा, पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नशा और शराब को गांव से दूर करने सरपंच चला रहीं है अभियान

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

सरपंच केवरा बाई नरसिंह साहू ने ग्राम सभा की बैठक में नशा , शराब को पूर्ण प्रतिबंध करने का प्रस्ताव ग्राम सभा में रखा। गांव के पंच और पंचायत में उपस्थित लोगों ने इस विषय में सहमति जताते हुए गांव को नशे से मुक्त करने के लिए कमर कसी है।

सरपंच ने कहा कि नशे की वजह से गांव के छोटे-छोटे बच्चों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जिसकी वजह से गांव का माहौल बिगड़ रहा है, इसलिए आए दिन लड़ाई झगड़ा बढ़ रहा है। इससे निपटने के लिए उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि रोड के किनारे,सड़क के ऊपर लगे हुए चखना, दुकानों की आड़ में होने वाले नशाखोरी का धंधा बंद होना चाहिए जिस पर तुरंत कार्रवाई कर जिला प्रशासन संज्ञान में लेते हुए ऐसे लोगों पर हटाने कार्रवाई चाहिए।

जिनकी वजह से गांव का वातावरण और छोटे-छोटे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ ना हो, गांव के लोगों के जीवन में होने वाली परेशानी को कम करने का उन्होंने प्रयास किया। उन्होंने अनुरोध किया कि ऐसे टपरों ,ठेले को रोड के किनारे लगाने से लोगों को आने जाने में हो रही है दिक्कतें, जिस वजह से मवेशी भी रोड पर जूठन खाने पहुंच जाते हैं।

आए दिन होती है दुर्घटनाएं ऐसे में इन्हें हटाया जाना चाहिए। उन्होंने गांव के विकास के लिए लगातार प्रयास किया है जल भराव के कारण होने वाली समस्या से निपटने के लिए उन्होंने मलमा डालने का भी तो सराहनीय कार्य किया, परंतु निकासी न होने के कारण जल भराव के लिए उन्होंने प्रस्ताव भी किया ,बरसात के बाद उसकी व्यवस्था भी करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने जानकारी दी की 19 अप्रैल 2025 को शराब और गांजा को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित करने प्रस्ताव रखा गया एवं 68 सदस्यों द्वारा सहमति से पारित किया गया।

सोलह दूनी आठ
नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम

यज्ञवल्क्य मिश्रा

रैंप शो

छत्तीसगढ़ में एक रैंप शो हुआ। यह कई वजह से और कई मंच पर चर्चा में है। बताया गया कि,सरेंडर महिला नक्सली रैंप वॉक करेंगे। लेकिन सवाल कोंचा जा रहा है कि,यदि केवल वे थे तो फाइव स्टार होटलों में आकर कौन कौन रुकी थीं। खर्चा कितना हुआ और बताया/बनाया कितना गया इसे लेकर ज्ञान की धारा अलग बह रही है। लेकिन इससे भी अलग जो हो रहा है उस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए। तेलंगाना से इसे लेकर एक पत्र जारी हुआ है जो इस मंचन पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है और तार्किक जवाब मांग रहा है। इसके साथ ही पीएम मोदी के लाल कि ले की से दिए भाषण के अंश जिसमें 'दिमागी नक्सली' का जिक्र और व्याख्यान सा है,उस संदर्भ के साथ इस रैंप वॉक को लेकर जो विमर्श जारी है वह भी ध्यान खींच रहा है। सोशल मीडिया पर छिड़ी इस संदर्भ की बहस में यह सवाल भी है कि जब सरेंडर करने वालों ने कहा- 'हमने फिलहाल हथियार रखे हैं विचारधारा नहीं छोड़ी है' तो अब यह बात इस रैंप के साथ कैसे सोची जाए कि पीएम मोदी चाहते हैं कि दिमागी नक्सलियों को आईसोलेट करना है। हाँ अब यदि यह तर्क सरकार की ओर से आए कि हमने दिमाग भी पढ़ लिया है तो बात अलग है। और वैसे भी सरकार सुशासन की है कह भी सकती है। सहाफी भी बस कहने का इंतजार कर रहा है क्योंकि वह तुरंत मानेगा कि सुशासन सरकार ने कहा है तो किया ही होगा।

कुचूपुचू

बेमेतरा जिले की माटी के लाल कुछ न कुछ ऐसा हैरतअंगेज कर गुजरते हैं कि शेष संसार हैरान परेशान देखता रहे। इस जिले में एक एक्सीडेंटल कुचू पुचू जी हैं, वो स्वेच्छानुदान को लेकर खूब चर्चा में हैं,विरोधी अफवाह उड़ा रहे हैं कि अंधा बाँटे रेवड़ी वाली कहावत भी अब पीछे है अब तो कुचूपुचू का स्वेच्छानुदान नई टर्मालॉजी है। इस जिले में एक और बवाल टंटा हो लिया है। एक और कुचू पुचू सर हैं। उन्होंने एक ऐसा कार्यक्रम कराया कि बवाल टंटा हो गया। कार्यक्रम कराया यह लाईन इसलिए क्योंकि ये कुचूपुचू सर आयोजक की भुमिका में थे। अब उस प्रोग्राम में प्रस्तुति कुछ ऐसी हुई कि बवाल हो गया। लेकिन कुचूपुचू सर हैं सीनियर नेताजी। इसके पहले मसला ज्यादा तूल पकड़ता उन्होंने प्रोग्राम के गायक को आगे कर दिया और वीडियो संदेश में माफी मँगवा वायरल करा दिया। सीनियर कुचूपुचू सर का मैसेज साफ था-'मैं तो कुछ किया ही नहीं हूँ। जो किया है वो माफी मांग लिया।'

डाला भैया का गुस्सा

डाला भैया विकट जोर गुस्साए हैं। उनका क्रोध इस बात पर है कि उनका पुराना वीडियो यह बताकर कांग्रेस ने नेशनल पेज पर शेयर कर दिया कि,बीजेपी 15 अगस्त में राष्ट्रीय ध्वज की जगह बीजेपी का झंडा फहरा रही है। डाला भैया ने कहा है कि केस ठोक दूँगा। अब नेता क्रोध में हो तो कार्यकर्ता को कौन सम्हाले। नतीजतन कार्यकताओं ने धमतरी थाना कूच किया और खड़गे, पवन खेड़ा, जयराम रमेश सहित कुछ नेताओं के खिलाफ एफआईआर के लिए आवेदन दे गए हैं। वहीं डाला भैया ने वकीलों से अलग चर्चा कर पूरी तैयारी कर ली है। अब ये भी देखना होगा कि,डाला भैया मानेंगे या अड़े रहेंगे। राजनीतिक दलीय निष्ठा के साथ साथ डाला भैया के घनिष्ठ रिश्ते दल के बाहर भी तो हैं।

ये भी ठीक है

सरगुजा कलेक्ट्रेट में ग्रामीणों ने मवेशियों को छोड़ा और यह कहते हुए चले गए कि कलेक्टर साहब अब आप ही सम्हालो। यह मसला इसलिए हुआ क्योंकि ग्रामीण इस बात से परेशान थे कि नगर निगम शहर से मवेशी पकड़ता है और गांव में छोड़ देता है। ये मवेशी फसल चौपट करते हैं और हादसे का सबब भी बनते हैं। ग्रामीणों ने कई बार कई जगह कहा कि मवेशी यहां मत लाइए लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। नतीजतन ग्रामीणों ने 13 किलोमीटर का सफर मवेशियों के साथ पैदल तय किया और सारे मवेशियों को कलेक्ट्रेट में छोड़ गए। विरोध का यह अंदाज चर्चा का विषय है।

सीसीटीवी फुटेज

बिलासपुर में न्यायिक हिरासत में हुई मौत के मामले में सर्वोच्च अदालत के आदेश के अनुपालन करते हुए सीबीआई टीम बिलासपुर पहुंच गई है। तमाम तरह की अफवाहों और चर्चा के बीच एक पतंग पर नजरें टिक गई हैं। यह पतंग सबसे उंची और सबसे तेज उड़ रही है। पतंग इस बात की है कि,जिस बंदी की मौत हुई उसका जेल बैरक का सीसीटीवी फुटेज है,जिसमें कुछ ऐसा विशेष दिख रहा है जिससे केस को दिशा मिल जाएगी। लेकिन वही है कि है तो बातों की पतंग ही अब बातों की पतंग का कोई ओर छोर तो होता नहीं है।

तो वहां क्यों बोल दिए

ज्यूडिशियल कस्टोडियल डेथ मामले में सुप्रीम कोर्ट में जो कुछ हुआ याने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई के दौरान। उसे लेकर पुलिस महकमे के ही एक साहब ने सहाफी से कहा -'बड़े साहब को जहाँ बोलना है वे तो वहाँ भी नहीं बोलते फिर जिस जगह बिल्कुल नहीं बोलना था वहाँ बोलने की भला क्या जरुरत थी?' लेकिन अब कोई भला कर ही क्या सकता है? हालाँकि उन साहब के साथ खड़े और बड़े. साहब ने कहा -'तुम वही कह रहे हो न जहाँ जो करना था वह बिल्कुल नहीं करते और जो बिल्कुल नहीं करना वहां वही बिलकुल करते हैं..तो देखो ऐसा है कि समूचा सुशासन ही बिल्कुल इसी अंदाज में चल रहा है। अब तुम्हारे बड़े साहब भी तो सरकार का ही हिस्सा हैं।' अब इसमें सहाफी की राय नजरिया ना तलाशिए। बात हो रही है सबसे बड़े साहब की,उस पर टिप्पणी कर रहे दो बड़े बड़े साहब। तिस पर बात लुढ़क कर आ गई सुशासन सरकार पर। तो यह गरीब मुफलिसी का मारा सहाफी इतना पागल थोड़ी है कि बोलने की बात दूर सर भी हिलाएगा। सहाफी ये सब सुना और तुरंत निकल भागा।

वास्तेगुना हुईयां

ये जो सियासती दुश्मन होते हैं पक्के दुष्ट होते हैं। नेताजी कहीं भी कुछ भी करें कुछ न कुछ कोचकने के लिए सींक निकाल ही लेते हैं। बात अपने हिंदू हृदय सम्राट की हो तो फिर तो कहिए ही मत। अब हमारे हिंदू हृदय सम्राट बगैर हेलमेट शान से बाइक पर बस्तर में तिरंगा यात्रा कर रहे हैं तो फिर कुछ दुश्मन शुरू हो गए। किसी ने सवाल कर दिया कि, ये पुलिस भर्ती में रिक्त पद को लेकर कैबिनेट प्रस्ताव आने,धराशायी होने और उस के बाद गमछे से बाहर होने के अंदाज का मसला किसी को पता है क्या?' एक फकीर रेडियो पर नई फ्रिक्वेंसी सेट कर बजाने लगा-'हजूर सिपाहियों की पदोन्नति ही नहीं हुई है। सिपाही से हवलदार और हवलदार से एएसआई तक के हजार से उपर कर्मचारी हैं जो इंतजार में ही बरसों गुजार गए हैं।पूरी ताकत से बस्तर में फटफटी चलाते हिंदू हृदय सम्राट बिल्कुल थोड़ी ताकत इधर लगाते तो भला हो जाता।' एक बांकेलाल जी जो भगत सिंह चौक पर पान दबाने आए थे उनकी टिप्पणी और आगे की थी वो कह रहे थे - 'बस्तर छोड़ कवर्धा पर फोकस करने की जरूरत है। लेकिन बताने को ही जब ले देकर बमुश्किल एक सफलता हो भले उसमें खुद की भुमिका कितनी कमजोर हो या गिलहरी जैसी हो लेकिन है तो सही,तो फटफटी तो वहीं चलाएँगे न।' बाकी अपना मानना है कि हिंदू हृदय सम्राट जो कर रहे हैं सो ठीक कर रहे हैं और कम कर रहे हैं उन्हें तो और करना चाहिए। बाकी इन लोगों का क्या है ये तो बोलेंगे ही - 'मिनिस्टर सर वास्तेगुना हुईयां'

कमाल के अल्फा सर

एक जले भुने दरोगा जी अपने दो तीन बैचमेट के साथ धमतरी से कांकेर के बीच मिले। संयोग कुछ ऐसा था कि उनके बैचमेट बस्तर छोड़ चार रेंज में पोस्टेड थे। अब दरोगा हैं तो कुछ हमराह भी थे जाहिर है सिपाही भी और हवलदार भी। बात चली तो एक मामला दिलचस्प सवाल के रुप में सामने आया। सवाल ये था कि ये रेंज में बैठे अल्फा साहब जितना रिकॉर्ड तोड़ नोटिस शो कॉज आरोप पत्र विभागीय जांच इत्यादि इत्यादि करते हैं वह कभी भी सिपाही से शुरू होता है लेकिन टीआई से उपर क्यों नहीं जाता। सहाफी ने इस सवाल का संदर्भ पूछा तो जवाब आया -'आप यह बताईए कि हम हैं थानेदार लेकिन एसपी फोन कर दे कि फलना केस में ऐसा ही करना है तो थानेदार हो या सिपाही वह तो वही करेगा न। लेकिन साहब बहादुर याने अल्फा साहब मजाल है कि कभी सिपाही टीआई से उपर जाएँ।' सहाफी ने पूछा - 'कोई खास संदर्भ तो बता दो।' सबकी एक साथ आवाज निकली - 'पत्रकार जी रिकॉर्ड चेक करा लो।'

कोहका में होटल ZP ग्रैंड का भव्य शुभारंभ, भूपेश बघेल ने किया उद्घाटन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

रानी अवंती बाई चौक, कोहका स्थित होटल ZP ग्रैंड का उद्घाटन समारोह शनिवार को धूमधाम से संपन्न हुआ। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने कर-कमलों से होटल का फीता काटकर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर होटल के संचालक जुल्फिकार खान एवं उनके परिवार को नवीन प्रतिष्ठान के लिए बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गई। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, सर्व कल्याण समाज अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू, नगर पालिका निगम भिलाई महापौर नीरज पाल, सभापति गिरवर बंटी साहू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बृजमोहन सिंह, समाजसेवी सुरेश बाबे, कांग्रेस प्रवक्ता राजेश शर्मा सहित सर्व समाज कल्याण समिति के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उद्घाटन के दौरान उपस्थित अतिथियों ने होटल की आधुनिक सुविधाओं और व्यवस्थाओं की सराहना की। आयोजकों ने कहा कि ZP ग्रैंड क्षेत्र में पर्यटन और व्यवसाय को नई दिशा देगा।

एबीयूएस ने सिविक सेंटर चौक में किया ध्वजा रोहण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अखिल भारतीय उड़िया समाज द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिविक सेंटर चौक सेक्टर 6 में ध्वजा रोहण किया। इस दौरान आने जाने वालो बके लिए पोहा और चाय का भी वितरण समाज को और से किया गया। महासचिव तरुण निहाल ने बताया कि ध्वजा रोहण कर राष्ट्रगीत गाकर सभी ने देश की आजादी के लिए शहीद हुए वीर जवानों को याद किया। भारतमाता, वंदेमातरम के नारे भी लगाए गए। ध्वजा रोहण में प्रदेश अध्यक्ष जेएम तांडी, पुलिस विभाग के अफसर अखिलेश सत्यदेव, कोषाध्यक्ष दीनबंधु तांडी, संरक्षक कृष्णा सोना, पूरण नायक जयंती महानद, मोंटू हरपाल, रामभजन, देवेंद्र हरपाल, उमेश बाग, अजय कुमार लुहा, जगन्नाथ जा, मनोज दुर्गा हुकमी बेहेरा, भैयाराम सोना, महेश तांडी, दिलीप महानंद, राजू सोना, किशोर तांडी, श्याम बाघ, अलंकार विभार समेत अन्य मौजूद थे।

तुमड़ीबोड़ को नगर पंचायत बनाने की मांग हुआ तेज

युवा नेता आकाश जैन बोले : दर्जनों गांवों का प्रमुख केंद्र, शहरी विकास की जरूरत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

ग्राम पंचायत तुमड़ीबोड़ को नगर पंचायत का दर्जा देने की मांग अब जोर पकड़ रही है। कांग्रेस के युवा नेता आकाश जैन ने राज्य सरकार से इस दिशा में शीघ्र पहल करने की मांग की है।

आकाश जैन ने कहा कि तुमड़ीबोड़ अब केवल एक ग्राम पंचायत तक सीमित नहीं है। आसपास के दर्जनों गांवों के लिए यह प्रमुख स्थानीय केंद्र बन चुका है। बड़ी संख्या में ग्रामीण दैनिक कार्यों, बाजार और अन्य आवश्यकताओं के लिए यहां आते-जाते हैं। बढ़ती गतिविधियों और क्षेत्रीय महत्व को देखते हुए इसे नगर पंचायत का दर्जा दिया जाना चाहिए।

नगर पंचायत बनने से होगा विकास

उन्होंने कहा कि नगर पंचायत का दर्जा मिलने से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को गति मिलेगी। सड़क, नाली, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था जैसी नागरिक सुविधाओं को नगरीय निकाय स्तर पर योजनाबद्ध तरीके से बेहतर बनाया जा सकेगा।

आकाश जैन ने कहा कि तुमड़ीबोड़ को नगर पंचायत बनाने का लाभ केवल यहां के निवासियों को नहीं, बल्कि आसपास के हजारों ग्रामीणों को भी मिलेगा।

प्रशासनिक कार्यों के लिए मिलेगी राहत

युवा नेता ने बताया कि अभी राजस्व और अन्य जरूरी कार्यों के लिए लोगों को राजनांदगांव या डोंगरगांव जाना पड़ता है। इससे समय और संसाधन दोनों खर्च होते हैं। तुमड़ीबोड़ का प्रशासनिक महत्व बढ़ने और स्थानीय स्तर पर व्यवस्थाएं बनने से ग्रामीणों को इस परेशानी से राहत मिलेगी।

भाजपा सरकार से शीघ्र घोषणा की मांग

आकाश जैन ने भाजपा सरकार से मांग की कि क्षेत्र की वर्तमान स्थिति और भविष्य की आवश्यकताओं का आकलन कराकर, मापदंड पूरे होने पर तुमड़ीबोड़ को नगर पंचायत घोषित करने की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाए।

उन्होंने कहा, "तुमड़ीबोड़ आसपास के दर्जनों गांवों का प्रमुख केंद्र है। नगर पंचायत बनने से स्थानीय विकास तेज होगा और क्षेत्र के हजारों लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। सरकार को जनहित में सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।"

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100